राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 09 , अंक 47 , पृष्ठ 1
मूल्य : दो रूपये
सिद्धार्थनगर
शनिवार, 05 फरवरी 2022
सिद्धार्थनगर संस्करण
RNI No:. UPHIN/2012/49458

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917 | @budha_kasandes | budhkasandeshup@gmail.com | www.budhkasandesh.com

लखनऊ सूचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी. कोड-133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार (डी.ए.वी.पी.) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

12 हजार का फोन रखते हैं योगी

रिवाल्वर और राइफल के हैं मालिक, नहीं है कोई जमीन, मकान और गाड़ी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। नामांकन के दौरान प्रत्याशी को अपनी कुल संपत्ति और सभी संबंधित वस्तुओं का लेखा–जोखा देना होता है। इसी को लेकर आज योगी आदित्यनाथ ने नामांकन के दौरान फाइल किए गए एफिडेविट में अपनी संपत्ति का ब्यौरा दिया है। जानकारी के मुताबिक योगी आदित्यनाथ के पास 1.54 करोड रुपए की संपत्ति है। इसके साथ ही एफिडेविट में यह भी बताया गया है कि सीएम योगी के ऊपर एक भी क्रिमिनल केस नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में बतौर सांसद योगी आदित्यनाथ ने अपनी संपत्ति 72 लाख 17 बताई थी। 2017 में जब योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद का चुनाव लड़ा था, तब उनकी संपत्ति 95.98 लाख रुपये थी। हलफनामे के मुताबिक योगी आदित्यनाथ के पास 1 लाख की नगदी है। हलफनामे में यह भी बताया गया है कि योगी आदित्यनाथ के पास फिलहाल कोई कार नहीं है। योगी के पास ना तो कोई जमीन है और ना ही अपना घर है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि दिल्ली, लखनऊ और गोरखपुर के छह जगहों पर अलग–अलग बैंकों में उनके 11 अकाउंट है। योगी आदित्यनाथ 12000 का एक मोबाइल फोन रखते हैं। इसके अलावा उनके पास 1 लाख की रिवाल्वर और 80 हजार की राइफल है। योगी आदित्यनाथ के पास 49 हजार के सोने की कुंडल है। इसका वजन 20 ग्राम है। इसके साथ ही योगी सोने की चौन में रुद्राक्ष का माला पहनते हैं जिसकी कीमत लगभग 20 हजार है। इस चीन का वजन 10 ग्राम है। योगी आदित्यनाथ के पास नेशनल सेविंग स्कीम्स और बीमा पॉलिसियों के जरिए 37.57 लाख रुपए भी है। योगी आदित्यनाथ पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा का नेतृत्व कर रहे हैं।

पंकज सिंह की राह और आसान बनाने के लिए बीजेपी ने चला ये दांव

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर की नोएडा विधानसभा सीट राजनीतिक लिहाज से हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती है। दिल्ली से सटे इलाके वाली सीट पर फिलहाल बीजेपी का कब्जा है। देश के रक्षा मंत्री और यूपी के सीएम रह चुके राजनाथ सिंह के पुत्र पंकज सिंह दोबारा इस सीट से चुनावी मैदान में हैं। वहीं पंकज सिंह के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने सुनील चौधरी को तो कांग्रेस ने पंखुड़ी पाठक को मैदान में उतारा है। बसपा ने कृपाराम शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी नोएडा सीट को जीतने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ना चाहती है। ऐसे में उन्होंने प्रचार के लिए कृष्णपाल गुर्जर को मैदान में उतारा है। कृष्णपाल गुर्जर पंकज सिंह के समर्थन में वोट मांग रहे हैं। कृष्णपाल गुर्जर ने साल 2014 के लोकसभा चुनाव में फरीदाबाद सीट से सपा–रालोद के टिकट पर अवतार सिंह भड़ाना को साढे चार लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। इस चुनाव में अवतार सिंह भड़ाना गौतम बुद्ध नगर की जेवर विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में हैं।

फिर पाकिस्तान जाने वाले हैं PM मोदी? कारोबारी ने किया बड़ा दावा- भारत-पाक में चल रही सीक्रेट बातचीत!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते को लेकर वहां के सबसे बड़े कारोबारी ने सबसे बड़ा दावा किया है। पाकिस्तानी कारोबारी मियां मोहम्मद मंशा के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच बैक डोर डिप्लोमेसी के तहत बातचीत जारी है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि उनके पास इस बातचीत की जानकारी मौजूद है और इससे अच्छे नतीजे मिलने के आसार हैं। मंशा ने आगे कहा कि अगर दोनों देशों के रिश्तें सुधरते हैं तो एक महीने के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं।

पीएम मोदी कर सकते हैं पाक दौरा?

मंशा ने ये बड़ा बयान कारोबारियों के कार्यक्रम में दिया है। लाहौर चौंबर ऑफ कॉमर्सियल इंडस्ट्रिज के भाषण के दौरान ये बाते कहीं। मंशा ने कहा कि अगर दो पड़ोसी देशों के बीच हालात सुधरते हैं तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महीने में पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं।

कोई भी स्थायी शत्रु नहीं

पाकिस्तान की बहुराष्ट्रीय कंपनी निशात ग्रुप के प्रमुख का कहना है कि 1965 की जंग से पहले तक भारत–पाक के बीच 50 फीसदी व्यापार होता था। मियां मांशा ने कहा कि हमें शांति की जरूरत है। भारत के पास अच्छी तकनीक है। हमारे पास भी ऐसी बहुत सारी चीजें हैं तो हिन्दुस्तानियों को दे सकते हैं। कोई भी स्थायी शत्रु नहीं है। देश में इतनी गरीबी है, हमें भारत के साथ चीजों को सुधारने की जरूरत है।

वैसे तो मंशा पाकिस्तान की सियासत से दूर रहते हैं, लेकिन माना जाता है कि मुल्क के तमाम सियासतदारों के साथ उनके अच्छे रिश्ते हैं। उन्हें पाकिस्तानी सेना का करीबी बताया जाता है। पाकिस्तान में सरकार से ज्यादा ताकतवर फौज मानी जाती है। लिहाजा मंशा की बात को गंभीरता से लिया जा सकता है।

अमृतसर पूर्व में होगा दिलचस्प मुकाबला, सिद्धू और मजीठिया के लिए काफी कुछ लगा दांव पर

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब विधानसभा चुनाव में अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी मुकाबले को सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सीट पर प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता विक्रम सिंह मजीठिया के बीच मुकाबला होगा। शिअद के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के अपने बहनोई और पूर्व मंत्री मजीठिया को पूर्व क्रिकेटर सिद्धू के खिलाफ मैदान में उतारने के बाद इस सीट पर चुनावी जंग दिलचस्प हो गई है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी जगमोहन सिंह राजू को मैदान में उतारा है, जिन्होंने तमिलनाडु में 35 साल तक सेवा की, जबकि आम आदमी पार्टी ने जीवनजोत कौर को उम्मीदवार बनाया है। सिद्धू और मजीठिया दोनों के लिए यह लड़ाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो पहली बार किसी चुनावी लड़ाई में एक–दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। दोनों नेताओं के बीच वाक्युद्ध पहले ही तेज हो गया है। सिद्धू ने हाल में शिअद नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा, ''वे केवल लूट का खेल खेलने आए हैं, लेकिन इस 'धर्म युद्ध' में वे सफल नहीं होंगे, क्योंकि जहां 'धर्म' है वहां जीत है।'' मजीठिया ने भी सिद्धू को अमृतसर लोकसभा सीट से सांसद रहने और बाद में कांग्रेस सरकार में मंत्री रहने के बावजूद अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में विकास नहीं करने का आरोप लगाया है। मजीठिया ने कहा, ''यह जीत या हार के बारे में नहीं है। यह कर्तव्य के बारे में है और एक अभिमानी व्यक्ति को लोगों से प्यार और सम्मान करना सिखाने का है। मजीठिया ने कहा कि वह अमृतसर पूर्व में विकास की कमी और अधूरे वादों पर ''आरोप पत्र'' लाएंगे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में भी, सिद्धू के अमृतसर पूर्व से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने के बाद इस विधानसभा सीट के चुनाव पर उत्सुकता से नजर रखी गई थी, जो उस समय पूर्व क्रिकेटर की पत्नी नवजोत कौर के पास थी। इस बार सिद्धू की हार उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है और अगर मजीठिया हारते हैं तो उनका भी राजनीति

में कद घटेगा। ऐसे में दोनों नेताओं के लिए जीत काफी मायने रखेगी। मजीठिया की पत्नी गनीव कौर अब अमृतसर की मजीठा सीट से चुनाव लड़ेंगी।

अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार जीवनजोत कौर ने जुबानी जंग में शामिल होने के लिए सिद्धू और मजीठिया की आलोचना की और सार्वजनिक मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। जीवनजोत कौर ने कहा, ''वे (सिद्धू और मजीठिया) केवल एक–दूसरे को अपमानित करने के लिए लड़ रहे हैं और उनका इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के मुद्दों और भावनाओं से कोई लेना–देना नहीं है।'' अमृतसर पूर्व सीट से मजीठिया के चुनाव मैदान में आने पर कौर ने कहा कि उन्होंने मजीठा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को ''धोखा'' दिया।

अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र, जो काफी हद तक एक शहरी सीट है, परिसीमन के बाद 2012 में अस्तित्व में आया था। सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू 2012 में भाजपा के टिकट पर विधायक बनीं। तीन बार के विधायक मजीठिया 2007 से मजीठा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अखिलेश–जयंत की रैली में जेब कतरों की मौज

उड़ा रहे लोगों के मोबाइल और कैश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अपने चरम पर है। सभी पार्टियों के प्रमुख नेता लगातार उत्तर प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में प्रचार कर रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश फिलहाल सभी नेताओं के केंद्र में है क्योंकि पहले और दूसरे चरण में इधर ही चुनाव होने हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी–रालोद गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। भाजपा के दिग्गज नेता पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। दूसरी ओर जयंत चौधरी और अखिलेश यादव भी अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लगातार विजय रथ यात्रा निकाल रहे हैं। नेताओं की रैलियों में काफी भीड़ भी देखने को मिल रही है। लेकिन अब जो खबर आ रही है वह वाकई में हैरान करने वाली है। विभिन्न अखबारों में छपी खबर के मुताबिक अखिलेश यादव और जयंत चौधरी की रथ यात्रा में शामिल होने वाले कई लोगों के अब तक जेब कट चुकी है। हाल में ही अखिलेश यादव और जयंत चौधरी की रथ यात्रा दिल्ली–सहारनपुर हाईवे से निकली थी। इस रथयात्रा में लोगों की भारी हुजूम भी थी। लेकिन रथ यात्रा के बाद कुछ लोगों ने जेब कटने की सूचना दी। बताया जा रहा है कि ककड़ीपुर से शुरू होकर खेकड़ा तक इस तरह की सूचना मिलती रही। किसी की मोबाइल चोरी हुई तो किसी के नगद पैसे चोरी हो गए। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है इसको लेकर पुलिस अब भी जांच कर रही है। अखिलेश और जयंत की रैली में शामिल होने वाले लोगों के सामान चोरी होने की खबर थाना तक भी पहुंच रही है। कोई अपने मोबाइल चोरी होने की बात कह रहा है तो कोई पैसे चोरी होने की बात कह रहा है। पुलिस के मुताबिक फिलहाल लोगों की जानकारी पर जांच की जा रही है। अगर ऐसा पाया जाता है तो दोषी लोगों पर कार्रवाई भी की जाएगी। शिकार लोगों के अनुसार जब वे अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के अभिवादन के लिए अपना हाथ ऊपर उठा रहे थे तभी जेब कतरों ने उनकी जेब साफ कर दी और फिर से गायब हो गए। कुल मिलाकर देखें तो नेताओं की निकलने वाली रैली में जेब कतरों की भी चांदी है। वह भीड़ का फायदा उठा कर अपना काम आसानी से कर रहे हैं।

कौन है कांता कर्दम जिन्हें भाजपा ने मायावती के काट के तौर पर आगे किया

नई दिल्ली। बात 2018 की है। 2019 में होने वाले आम चुनाव को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक दल फूंक–फूंक कर कदम उठा रहे थे। दिल्ली की सत्ता के लिए उत्तर प्रदेश की राजनीति बेहद अहम है। यही कारण है कि 2018 के राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जातीय समीकरण को साधते हुए कई बड़े चौंकाने वाले फैसले लिए। उन्हीं में से एक नाम कांता कर्दम जाटव का है। भाजपा ने कांता कर्दम जाटव को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया। भाजपा के इस दांव से कई राजनीतिक विश्लेषकों को आश्चर्य भी हुआ। लेकिन दावा किया गया कि पार्टी ने यह फैसला काफी सोच समझ कर लिया है। जाहिर सी बात है कि कांता कदम के जरिए भाजपा जाटव वोट पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी थी।

कौन हैं कांता कर्दम

कांता कर्दम फिलहाल भाजपा के राज्यसभा सांसद हैं। उन्हें 2018 में राज्यसभा का सदस्य बनाया गया था। वह भारतीय जनता पार्टी की सदस्य हैं। कांता कर्दम का जन्म 4 फरवरी 1965 को हापुड़ में हुआ था। राज्यसभा के लिए पार्टी से टिकट मिलने से पहले कांता कर्दम की पहचान राष्ट्रीय स्तर की नहीं थी। उत्तर प्रदेश में भी उनकी लोकप्रियता कुछ खास क्षेत्रों में ही थी। लेकिन भाजपा ने 2018 में कांता कर्दम को आगे कर मायावती के खिलाफ बड़ा दांव खेला। दरअसल, कांता कर्दम जाटव समाज से आती हैं। मायावती का भी वोट बैंक जाटव समाज में काफी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाटव समाज की जनसंख्या भी अच्छी खासी है। यही कारण है कि 2019 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने कांता कर्दम को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया। हालांकि कांता कर्दम और उनके पति वीर सिंह कर्दम भाजपा के काफी पुराने कार्यकर्ता रहे हैं।

वर्तमान में कांता कर्दम उत्तर प्रदेश भाजपा में उपाध्यक्ष भी हैं। उन्हें आक्रमक दलित नेता माना जाता है। कांता कर्दम को 2018 में भाजपा ने मेरठ से मेयर पद का उम्मीदवार बनाया था। हालांकि वह हार गईं। बावजूद इसके भाजपा ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया।

कच्छ में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप कोई हताहत नहीं

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार सुबह 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण किसी प्रकार के जान–माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र रापड़ गांव में था। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने कहा, ''शुक्रवार सुबह 10.16 बजे कच्छ के रापड़ में 3.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 19.1 किलोमीटर की गहराई में था।'' जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके से क्षेत्र में किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

हरियाणा में निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत रोजगार आरक्षण मामला, हरियाणा सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा कोर्ट द्वारा प्रदेश में निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए लागू हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 पर अंतरिम रोक लगाने के आदेश को चुनौती देने के लिए अब राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया है। अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई सोमवार, 7 फरवरी, 2022 को तय की गई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट में मामले की पैरवी मजबूती से करेंगे ताकि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रख सकें । उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 राज्य के युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है। मनोहर लाल ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो हरियाणा सरकार की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना पीठ के समक्ष पेश हुए और इस मामले को रखते हुए श्री तुषार मेहता ने बताया कि उन्हें राज्य सरकार का बचाव करने के लिए केवल 90 सेकंड का समय मिला था। उनके अनुरोध पर अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 7 फरवरी, 2022 को सुनवाई तय की है।हरियाणा में तालाबों के कायाकल्प के लिए हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया है। तालाब प्राधिकरण के माध्यम से इस वर्ष 1900 तालाबों की सफाई करवाई जाएगी, अगले वर्ष ढ़ाई हजार तालाब साफ किए जाएंगे। एक–एक करके प्रदेश के सभी तालाबों से गंदगी निकालकर उनका कायाकल्प किया जाएगा।

राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से लगातार प्रगाढ़ हो रही इजरायल-भारत मैत्री

इन दिनों हम इजरायल और भारत के राजनयिक संबंधों के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। पिछले वर्ष सितंबर में इजरायल के राजदूत के रूप में अपनी रोमांचक यात्रा शुरू करने के लिए मैं नई दिल्ली पहुंचा था। इजरायल के राजनयिकों के लिए भारत सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि भारत में इजरायल के कई मित्र हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत प्रेम, आदर और गहरी दोस्ती है। 29 जनवरी, 1992 को औपचारिक रूप से राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से इजरायल और भारत ने मिलकर जो हासिल किया है, वह अभूतपूर्व है। हमारी दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच का संबंध हजारों वर्ष पुराना है। भारत का यहूदी समुदाय इन संबंधों की आधारशिलाओं में से एक है। यहूदी पीढियों से भारत में शांति के साथ रह रहे हैं। उन्हें कभी भी उत्पीडऩ या विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। सबको अपनाने वाला भारतीय समाज उन्हें फलने–फूलने और अपना अभिन्न अंग बनने की इजाजत देता है। इसे ही हम श्अतुल्य भारतश के रूप में जानते हैं।

बीते 30 वर्षों के दौरान भारत के साथ इजरायल के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में प्रगाढ़ हुए हैं। स्वास्थ्य, कृषि, जल, व्यापार, विज्ञान एवं तकनीक, अनुसंधान एवं विकास, रक्षा, कला–संस्कृति, पर्यटन एवं अंतरिक्ष इनमें प्रमुख हैं। भारत हमारा अब केवल घनिष्ठ मित्र ही नहीं है, बल्कि एक सामरिक साझेदार भी है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के साथ अनेक उच्च स्तरीय दौरों से यह स्पष्ट भी हो जाता है। आने वाले वर्षों में और अधिक उच्च स्तरीय दौरों की योजना है।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत हमारे प्रमुख साझेदारों में से एक है। आज हमारे द्विपक्षीय संबंध जिन क्षेत्रों में केंद्रित हैं, वे हिंद प्रशांत में समग्र रूप से इजरायल के निरंतर हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैश्विक महामारी कोविड पर काबू पाना, आतंकवाद से लडऩा, व्यापार का विस्तार और जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाले खतरों से निपटना दोनों देशों की आज प्राथमिकता है। महामारी की शुरुआत के बाद से इजरायल ने कई संयुक्त योजनाओं पर भारत के साथ मिल कर काम किया है। इस दौरान हमने चिकित्सा उपकरणों का भी आदान–प्रदान किया। साथ ही निरूशुल्क महिला स्वास्थ्य क्लिनिक की व्यवस्था की है। दोनों देश वैक्सीन प्रमाणपत्रों की आपसी मान्यता पर भी सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों की आपसी समझबूझ और मजबूत हुई है। इसकी बदौलत हम स्वास्थ्य सेवा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने सहयोग को और मजबूत बनाना जारी रख सकते हैं। हमने रक्षा समेत सहयोग के अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर प्रगति की है।

भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इजरायल की कई उच्च स्तरीय यात्राएं करने के साथ इजरायली वायु सेना द्वारा आयोजित ब्लू फ्लैग सैन्य अभ्यास में भागीदारी की। श्मेक इन इंडियाश अभियान के शुरू होने से पहले से ही इजरायल श्मेक इन इंडिया, मेक विद इंडिया (भारत में बनाओ, भारत के साथ बनाओ)श के पक्ष में रहा है। वास्तव में दोनों देश समझ चुके हैं कि लंबे समय तक दोस्ती बनाए रखने के लिए साझेदारी की जड़ों को निरंतर पोषित करना होगा। इसे अकादमिक सहयोग के स्तर पर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। हमें एक दूसरे को समृद्ध करते हुए अपने साझा ज्ञान के क्षितिज का विस्तार करना चाहिए। इजरायल में 10 प्रतिशत विदेशी छात्र भारतीय हैं। इसमें और बढ़ोतरी कैसे हो, इस पर बात चल रही है। और अधिक युवा छात्रों तक पहुंचने के लिए हम अगले पांच वर्षों में नई दिल्ली के आसपास के इलाकों में मोबाइल कक्षा की सुविधा प्रदान करने वाली बस को प्रायोजित करेंगे। इजरायल एक स्टार्टअप राष्ट्र है। हमारे पास प्रौद्योगिकी में भारत से साझा करने और सीखने के लिए बहुत कुछ है। हमने दोनों देशों की स्टार्टअप्स और टेक कंपनियों के बीच व्यावसायिक उपक्रमों में पर्याप्त वृद्धि भी देखी है।

हरित ऊर्जा भी एक और ऐसा क्षेत्र है, जहां हमें सहयोग को मजबूत बनाने पर गर्व है। हाल में इजरायल भारत नीत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल हुआ है। दोनों देश मिलकर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कृषि और जल भारत के साथ हमारी साझेदारी के महत्वपूर्ण पहलू हैं। ड्रिप सिंचाई तकनीक भारत में कृषि विकास में अहम भूमिका निभा रही है। भारत–इजरायल कृषि परियोजना के तहत इसे विकसित किया गया है। यह विश्व की सबसे बड़ी कृषि परियोजना है, जिसमें इजरायल की सरकार शामिल है। जल के क्षेत्र में भारत में इजरायल नीत कई परियोजनाएं चल रही हैं। बुंदेलखंड, उत्तर प्रदेश की प्रमुख जल परियोजना सबसे हाल की है। कई इजरायली कंपनियां पहले से ही आधुनिक तकनीक के माध्यम से भारत में जल प्रबंधन में परिवर्तन ला रही हैं। जल के क्षेत्र में अपने सहयोग को और बढ़ाने के लिए हमने पहली बार जल संसाधन प्रबंधन के विशेषज्ञ के रूप में एक विशेष दूत को नियुक्त किया है, जो भारत में सरकारी अधिकारियों और उद्योगों के साथ मिल कर काम करेगा। ऐसे में यह जरूरी है कि हम अपने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाना जारी रखें और द्विपक्षीय सहयोग के असीमित दायरे का पूरा उपयोग करते रहें। हमारे युवा, ज्ञान आधारित समाज और अर्थव्यवस्थाएं हमें द्विपक्षीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानव और भौतिक संसाधन प्रदान कर रहे हैं। हमारे संबंधों की नींव काफी मजबूत है। इस पर हम अपने रिश्ते की ऊंची इमारत खड़ी कर सकते हैं।

मौसम के बदले मिजाज किसानों का हुआ नुकसान

ओले पड़ने से खरीफ फसल पर पड़ा असर किसानों की मुस्किले बढ़ी

अनंत मिश्रा / दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका / सिद्धार्थनगर। मौसम के मिजाज बदलने से किसानों को मुस्किलो का सामना करना पड़ रहा है देर रात में अचानक भारी बारिश और तेज हवा के साथ ओले गिरने शुरू हो गए किसानों के फसल को भी नुकसान पहुंचा है और वही तूफान के आने से कई पेड़ उखड़ गए चहर दिवारी भी ढह गया पेड़ गिरने से रात से विद्युत बाधित हो गया वही किसान अजय दूबे कृष्णा नगर वार्ड नंबर 12 के नवासी है इन्होंने बताया कि बारिश और ओले पड़ने से फसल को थोड़ा बहुत नुकसान हुआ है और आलू के फसल का ज्यादा नुकसान दिखाई दिया है। किसान कौशल यादव ने बताया कि बारिश हल्की हुई है लेकिन ओले गिरने से फसल पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है।

पार्टी कार्यालय का जिला अध्यक्ष ने फीता काट कर उद्घाटन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। विधानसभा बांसगांव से सपा के उम्मीदवार डा संजय कुमार का पार्टी कार्यालय कौड़ीराम में बनाया गया। जिसका सपा के जिला अध्यक्ष अवधेश यादव ने फिता काट कर उद्घाटन कीया। उद्घाटन के मौके पर जिला अध्यक्ष अवधेश यादव ने कहा कि सभी पदाधिकारी और बुथ अध्यक्ष बांसगांव की देवतुल्य जनता के बीच पहुच कर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील करें। कार्यक्रम में पार्टी के प्रत्याशी डा संजय कुमार, बांसगांव विधानसभा प्रभारी शशिकांत, शेष नाथ यादव, योगेन्द्र यादव, रविन्द्र यादव, विधान सभा अध्यक्ष राम अजोर मौर्य सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुदरत का कहर कई लोगो का उजड़ा आशियाना, तो कई लोग हुए बेघर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बेमौसम बारिश ने कई लोगों का सपना चकनाचूर किया तो कई लोगों को घर उजड़ गया इस चक्रवर्ती तूफान में बारिश व ओले पड़ने से किसान को भारी नुकसान सामना करना पड़ा इस तूफान ने आफत बनकर आई बारिश ने फसलों पर असर पड़ा बल्कि जीवन भी अस्त–व्यस्त हो गया इस तूफान ने तो जगह–जगह पर लगे विद्युत पोल को भी तोड़ते हुए पेड़ पौधों को भी नहीं छोड़ा जहां भी नजर डालो वहां पेड़–पौधे अस्त व्यस्त दिखाई दिए रोड पर पोल गिर जाने से आगमन भी बाधित हो गया आप यह नजारा देख सकते हैं फोटो के माध्यम से कितना विशालकाय चक्रवर्ती तूफान मानव जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया तथा गेहूं की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा खेत में लगे गेहूं लाही नुकसान होने से किसानों की बहुत ही क्षति पहुंची है ।

चक्रवर्ती तूफान ने नौगढ़ ब्लाक के अंतर्गत आने वाले फतुहवा गांव में अधिक ही कहर बरपाया है इस गांव में जगह जगह पर पेड़ पौधे वह मकान को भारी नुकसान पहुंचाया इस गांव के गरीब परिवार पर प्राकृतिक आपदा ने बेघर कर दिया इस प्राकृतिक आपदा ने कई लोगों का मकान ध्वस्त कर दिया जैसे संतोष ,संजय, रामकिशोर, ज्ञानदास, कृष्ण नारायण ,अरुण ,अजय, मिट्ठू लाल, इत्यादि।

संक्षिप्त समाचार

अरशद खुर्शीद ने किया पर्चा दाखिल,इटवा में देंगे कड़ी टक्कर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद की सबसे हॉट सीट मानी जाने वाली इटवा विधानसभा में इस बार टक्कर काफी जोर शोर से होगी जहां एक तरफ वर्तमान विधायक एवं बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी बीजेपी से लड़ रहे हैं तो वही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे भी पूरे दमखम के साथ सपा प्रत्याशी के तौर पर जोर आजमाइश कर रहे हैं अभी तक बसपा में रहे और अब कांग्रेस से प्रत्याशी के रूप में अरशद खुर्शीद ने पर्चा दाखिल का सीट को काफी खतरनाक बना दिया है लोगों की माने तो सवर्ण प्रत्याशियों के लड़ने से अरशद खुर्शीद के निकल जाने के चांस बन रहा हैं वही मोहम्मद मुकीम के समर्थन दे देने से और भी मजबूत हो जाएंगे शुक्रवार को भारी दल बल के साथ अरशद खुर्शीद ने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर चंद्रेश उपाध्याय, युवा नेता अरविंद शुक्ला ,गुड्डू सिंह सहित अनगिनत कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश डेटा सेन्टर के मामले में शून्य था - सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदम्बिका पाल ने प्रश्न काल में इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव से प्रश्न पूछते हुए कहाँ कि देश मे डेटा केंद्रों का सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित मौजूद लोड तथा क्षमता का ब्योरा क्या है और इसमे कितनी वृद्धि होने की संभावना है और साथ देश मे डेटा केंद्रों सहित ग्रीन डेटा केंद्रो में स्वामित्व वाले डेटा केंद्रों का ब्यौरा क्या है। इस पर मंत्री ने जबाब देते हुए कहां कि उद्योग की रिपोर्ट के अनुसार निजी क्षेत्र के पास उपलब्ध डेटा केंद्र सेक्टर क्षमता लगभग 499 मेगावाट है हमारी सरकार के प्रयास से 2023 तक कुल क्षमता 1007 मेगावाट हो जाएगी उत्तर प्रदेश में डेटा सेंटर की वर्तमान में क्या स्थित है इस जबाब देते हुए मंत्री ने कहां कि प्रदेश में जब से योगी सरकार आयी तब से डेटा सेंटर की संख्या में काफी वृद्धि हुई 5 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश डेटा सेन्टर के मामले में शून्य था लेकिन सरकार के प्रयास से देश मे चौथे स्थान पर है जिसके लिए प्रदेश में योगी सरकार को धन्यवाद देता हूँ।

यूपी एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने किया विरोध प्रदर्शन

जिला विद्यालय निरीक्षक रायबरेली के ऊपर हुए प्राणघातक हमले का विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला विद्यालय निरीक्षक रायबरेली के ऊपर हुए प्राणघातक हमले के विरोध में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय सिद्धार्थनगर में कार्यरत समस्त कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग किया। इस दौरान यूपी एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन जनपद सिद्धार्थनगर के सचिव ओंकार नाथ ने कहा कि इस घटना की हम समस्त कर्मचारीगण निंदा करते हैं तथा जब तक हमलावरों को कठोर से कठोर सजा नहीं मिल जाती तब तक हमारा संगठन चुप नहीं बैठेगा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि अधिकारियों और

कर्मचारियों पर हो रहे इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से चिंतनीय है हमारा कर्मचारी संगठन ऐसे कुत्सित मानसिकता वाले लोगों का विरोध एवं कटु निंदा करता है। इस दौरान मुन्नीलाल प्रधान सहायक गोवर्धन लेखाकार आनंद प्रकाश श्रीवास्तव कनिष्ठ सहायक के साथ–साथ समस्त लिपिक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

प्रस्तावकों के जरिये सीएम योगी ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। सामाजिक समरसता और लोक कल्याण से इसमें सामान्य वर्ग, ओबीसी, अनुसूचित को शामिल किया गया तो व्यावहारिक कार्यगत नजरिये डॉ अरुण कुमार सिंह विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इलेक्शन एजेंट

उस गोरक्षपीठ के मूल में है, जिसके वर्तमान पीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से बतौर भाजपा प्रत्याशी सीएम योगी ने नामांकन पत्र दाखिल करने को लेकर भी पीठ की इसी सामाजिक समरसता के अभियान को आगे बढ़ाया। चार सेट में नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए जिन चार प्रस्थापकों (बोलचाल में प्रस्तावक) और एक इलेक्शन एजेंट का चयन किया गया, उसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को सम्मान दिया गया। सामाजिक दृष्टिकोण से उद्यमी, शिक्षाविद, चिकित्सक, शिक्षक और धर्म–अध्यात्म से जुड़े लोग सहभागी बने हैं। चौम्बर ऑफ इंडस्ट्रीज गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, महात्मा गांधी इंटर व पीजी कॉलेज के प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पांडेय, रैदास मन्दिर समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ मंगलेश श्रीवास्तव को सीएम योगी के तरफ से दाखिल अलग अलग सेट के नामांकन पत्र में प्रस्थापक या प्रस्तावक बनाया गया है। जबकि महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य होंगे। वैश्य समाज से आने वाले सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल चौम्बर ऑफ इंडस्ट्रीज के कई बार अध्यक्ष रह चुके हैं। वह स्थानीय स्तर पर उद्यमियों के सर्वमान्य प्रतिनिधि माने जाते हैं। आईआईटी रुड़की से केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले श्री अग्रवाल उद्यमी हैं और गीडा में उनकी अपनी केमिकल प्रोडक्ट की यूनिट है। वह योगी के संसदीय जीवन के प्रारंभ से ही उनके साथ जुड़े हुए हैं। गोरखपुर में औद्योगिक वातावरण के विकास को लेकर उनकी योगी आदित्यनाथ से निरन्तर संवाद होता रहा है। गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट को ओडीओपी में शामिल कराने और गीडा में रेडीमेड गारमेंट पार्क की स्थापना को लेकर श्री अग्रवाल के सुझावों पर मुख्यमंत्री ने निर्णायक मुहर लगाई है। मंकेश्वर नाथ पांडेय उस नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी के प्रबंधक हैं जो एमजी इंटर कॉलेज, पीजी कॉलेज समेत कई शिक्षण संस्थानों का संचालन करती है। ब्राह्मण और कायस्थ दोनों समाजों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री पांडेय गोरक्षपीठ के सामाजिक अभियानों में निरन्तर सहभागी बनते रहे हैं। एक शिक्षाविद के रूप में उनकी ख्याति पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश में है। वह वर्ष 2007 में खुद भी शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और अपनी पारिवारिक और सामाजिक पृष्ठभूमि से ब्राह्मणों और कायस्थों में खासे लोकप्रिय हैं। रैदास महासभा के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद सीएम योगी के नामांकन के लिए एक सेट प्रपत्र के प्रस्तावक हैं। अनुसूचित जाति से आने वाले श्री प्रसाद समाजिक समरसता की उसी विचारधारा के प्रतिनिधि हैं जिसे गुरू गोरक्षनाथ, उनके उपासकों और संत रैदास ने अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया। विश्वनाथ प्रसाद गोरक्षपीठ और उसके महंतों के छुआछुत और सामाजिक भेदभाव समाप्त करने के अभियान से न केवल प्रभावित हैं बल्कि खुद भी उससे जुड़े हुए हैं। उन्हें अनुसूचित वर्ग के लोगों में सामाजिक चेतना के लिए अभियान चलाने के लिए भी जाना जाता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और मशहूर पैथॉलॉजिस्ट डॉ मंगलेश श्रीवास्तव महानगर में सामाजिक सरोकारों के निर्वहन के लिए भी जाने जाते हैं। उनकी कायस्थ समाज में मजबूत पैठ तो है ही, संस्कार भारती जैसे संगठन से जुड़कर वह समाज के हर वर्ग की प्रतिभाओं को मंच देने में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। डॉ मंगलेश का भी गोरक्षपीठ के सामाजिक प्रकल्पों से गहरा जुड़ाव रहा है। वह चिकित्सक समुदाय के बीच भी खासे लोकप्रिय हैं।

इन चार प्रस्तावकों के अलावा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह को सीएम योगी के चुनाव के लिए इलेक्शन एजेंट की जिम्मेदारी दी गई है। ओबीसी से ताल्लुक रखने वाले डॉ सिंह की गिनती श्रेष्ठ शिक्षकों में होती है। उन्हें शैक्षिक अनुसाशन और प्रबंधन के लिए सराहा जाता है।

मध्य रात्रि में नशीला पदार्थ सुंघा कर युवक को किया अगवा

युवक अचेत अवस्था में गांव के बाहर खेत में मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के भीतरी दुबौली निवासी आदित्य राय उम्र 22 वर्ष पुत्र अयोध्या राय बुद्धवार की रात अपने घर सोए हुए थे। कि मध्य रात्रि में लगभग पांच की संख्या में अज्ञात लोग आए और नशिला पदार्थ सुघा कर गांव के उत्तर स्थित बाग में ले गये और मारना पिटना शुरु कर दिए लोगों का यह भी कहना है कि लोग हत्या करने की नियत से उठाए थे। लेकिन आदित्य चिल्लाते हुए गांव की तरफ भागे। कुछ ग्रामीणों ने इसकी सुचना डायल 112 पर दिया। और आदित्य के घर भी बताए। परिजन आदित्य राय को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे है जहां उनका इलाज चल रहा है। इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी जयंत सिंह का कहना है कि तहरीर मिली है छानबीन की जा रही है।

प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष का प्रबंधकीय व्यवसाय समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की प्रबंधकीय व्यवसाय समीक्षा बैठक बैंक के अध्यक्ष राकेश कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में संपन्न हुआ बैठक की अध्यक्षता में करते हुए श्री अरोड़ा ने बलरामपुर क्षेत्र की प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखाओं द्वारा व्यवसाय वृद्धि सरकार द्वारा आयोजित योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं अटल पेंशन पी एम जे जे वी वाई पीएम एस एच वाई आदि की प्रगति की समीक्षा की उन्होंने बताया कि प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक बलरामपुर क्षेत्र द्वारा सरकार द्वारा प्रदत ए पी वाई एवं पी एम एस वी वाई के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है उनके द्वारा

बैंक के माध्यम से नई व्यक्तिगत ऋण योजना का शुभारंभ किया गया उक्त योजना अंतर्गत 10 :से 11.5: ब्याज पर ऋण प्राप्त किया जा सकता है उक्त ऋण वापसी की समय सीमा को 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष तक कर दिया गया है इसके अतिरिक्त आज आंशिक रूप से कमजोर व्यक्ति जो आंशिक रूप से अपना ऋण जमा नहीं कर पाये हो वे सभी ऋण विशेष रुप से एकमुश्त समझौता योजना के अंतर्गत छूट प्राप्त कर अपना ऋण जमा कर सकते हैं उक्त अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि शीघ्र ही बलरामपुर क्षेत्र को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आच्छादित कर दिया जाएगा उक्त अवसर पर श्री अरोड़ा ने कहा कि बैंक के ग्राहक हमारे लिए भगवान है उनकी जितनी अच्छी सुविधा हो सकती है हम हमेशा देने को तत्पर रहते हैं साथ ही किसानों के मुद्दे पर उन्होंने बताया कि तीन लाख तक केसीसी ऋण पर 4: ब्याज वार्षिक है जिसे समय से जमा करने पर उन्हें किसी अतिरिक्त देय की आवश्यकता नहीं है मात्र 12 हजार रुपये वार्षिक देय है अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ ही जनपद के सभी शाखा प्रबंधक समीक्षा बैठक में मौजूद रहे

सूर्य नमस्कार पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 फरवरी तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आजादी के 75 वर्ष वे गांठ पर 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले पूर्ण कर लेने पर आज सोनभद्र बार सभागार सोनभद्र नियमित योग कक्षा में वरिष्ठ योग साधक रूप नारायण सिंह व उपस्थित योग साधकों द्वारा 'श्री राम कीर्तन' (भजन)के साथ उपस्थित सभी योग साधकों को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान वितरण किया गया। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यक्रम में शामिल सभी पदाधिकारियों, प्रमुख योग शिक्षकों ,सहायक योग शिक्षकों ,योग साधक भाई –बहनों तथा एक –एक कार्यकर्ता का अभिनंदन व शुभकामना के साथ सभी से आग्रह किए कि अभी तक जो पंजीकरण न कराएं हो यथा शीघ्र पंजीकरण कराले। आज के इस शुभ अवसर पर भारत स्वाभिमान के नगर संरक्षक शेषमणि तिवारी, भारत स्वाभिमान के जिला महामंत्री सुनील कुमार चौबे ,वरिष्ठ अधिवक्ता उमाकांत सिंह, वरिष्ठ योग साधक/समाजसेवी विनोद कुमार मिश्रा द्वारा वरिष्ठ योग साधक रूप नारायण सिंह को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस आशय की जानकारी राजेश कुमार पाठक ने दिया।

शिव परिवार व हनुमान जी की मूर्ति का हुआ भव्य श्रृंगार

संतजनों के शंखनाद एवं जयकारे से समूचा नगर गूंजायमान रहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज के अंबेडकर नगर स्थित कड़े शीतला माता मंदिर प्रांगण में चल रहे विराट रुद्र महायज्ञ में चौथे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शुक्रवार को शिव परिवार एवं हनुमानजी की मूर्ति का भव्य श्रृंगार किया गया। श्री राम जन्मभूमि शिलान्यास उत्तराधिकारी कमल नयन दास जी महाराज की मौजूदगी में आचार्य हरेराम शास्त्री ने विधि–विधान से वैदिक मंत्रोच्चार से शिव परिवार एवं हनुमानजी की मूर्ति का श्रृंगार कराया। बाबा वैद्यनाथ एवं श्री राम चूड़ामणि वीर हनुमानजी महाराज की पूजा–अर्चना एवं भव्य आरती हुई। इस दौरान शंखनाद एवं घण्टा– घड़ियाल की ध्वनि के साथ ही जयकारे से समूचा पांडाल गुंजायमान रहा। उसके बाद विराट रुद्र महायज्ञ शुरू हो गया। जहां पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने विशाल भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षु भिखारी बाबा जंगली दास महाराज ने बताया कि राबर्ट्सगंज के अम्बेडकर नगर स्थित कड़े शीतला माता मंदिर प्रांगण में आचार्य हरेराम मिश्र के आचार्यत्व में पंडित कृपा शंकर पांडेय समेत 11 पंडितों द्वारा रुद्र महायज्ञ शुरू कराया गया। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने यह भी बताया कि सायं 6 बजे से आचार्य दिल्ली से आए कृष्ण गोपाल, भदोही से संतराम रघुराई एवं सोनभद्र से चन्द्रबली महाराज द्वारा बारी–बारी से कथा सुनाई गई।

जिसे श्रद्धालुओं ने श्रवण किया। उन्होंने यह भी बताया कि श्री राम जन्मभूमि शिलान्यास उत्तराधिकारी कमल नयन दास जी महाराज का संतजनों, भक्तगण एवं श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। बाबा जंगली दास जी महाराज ने यह भी बताया कि कार्यक्रम के संयोजक बृजलाल सरोज (बिरजू दास) हैं। वहीं यजमान के रूप में रेवती नाथ तिवारी, बच्चालाल, विजय, रंजीत, रामबाबू (अभिषेक) श्यामबाबू, संगम, राज आदि शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रंजीत लाल, कन्हैया, गुलाब दास, परमानन्द महाराज एवं अजय कुमार के साथ ही अम्बेडकर नगर राबर्ट्सगंज के लोग तथा दान दाता एवं श्रद्धालु शामिल रहे।

युवा पत्रकार हर्षवर्धन हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साहित्य, कला, संस्कृति के क्षेत्र में अनवरत रूप से कार्यरत विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी एवं युवा पत्रकार हर्षवर्धन केसरवानी को मीडिया फोरम आफ इंडिया के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी द्वारा हिंदी पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट समाचार लेखन, सांस्कृतिक, साहित्यिक, आध्यात्मिक कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण के लिए अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि केसरवानी द्वारा जिले में होने वाले सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण दिखाया जा रहा है। जिसके लिए इन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं। बताते चलें कि कोविड–19 संक्रमण काल में जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज में विगत 27 वर्षों से आयोजित श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ का प्रथम बार लाइव प्रसारण देश– विदेश में रहने वाले रामकथा प्रेमियों को विगत 2 वर्षों से दिखाया जा रहा है। जिसे अब तक 15 लाख लोगों ने देखा है। केसरवानी के सम्मानित होने पर सांस्कृतिक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना नामांकन दाखिल किया, अमित शाह रहे मौजूद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। उ0प्र0 विधानसभा चुनाव 2022 के क्रम में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर भारत सरकार मंत्री डॉ. धर्मेन्द्र प्रधान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, सांसद

दिनांक 04 फरवरी को गोरखपुर सदर विधानसभा–322 क्षेत्र से के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय शिक्षा रविकिशन शुक्ला, राज्य सभा सांसद शिव प्रताप शुक्ला, गोरखपुर के महापौर सीताराम जायसवाल, विधायक डॉ. राधामोहनदास अग्रवाल, गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, सहजनवां विधायक शीतल पाण्डेय सहित अनेक सांसद, विधायक, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के मैदान में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। तत्पश्चात् वार्ड नं0 33 नथमलपुर, गोरखपुर में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में स्वतंत्र देव सिंह के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर योगी बालकनाथ (सांसद, अलवर) महंत रविन्द्रदास, द्वारिका तिवारी, विरेन्द्र सिंह, डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी, रणजीत सिंह, अरूणेश शाही, प्रो0 राजेन्द्र भारती, शेषनाथ योगी, विनय गौतम, विजय नरायण पाठक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

योगी के नामांकन में उमड़ा जन-सैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। कड़ाके की ठंड में आज योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने गोरखपुर सदर सीट से नामांकन किया। ईश्वरीय आशीर्वाद के रूप में बरसते मेघों के बीच योगी आदित्यनाथ जी प्रातः 10:00 बजे सिद्ध गोरक्षपीठ गोरखनाथ मंदिर से नामांकन हेतु निकले। इस अवसर पर मंदिर परिसर से कलेक्ट्रेट परिसर तक प्रतिकूल मौसम में भी गोरखपुर महानगर में योगी के समर्थन में विशाल जन सैलाब उमड़ा रहा। लोगों नें अपने घरों से बाहर निकलकर स्वतः स्फूर्त भाव से अपने नेता के विजय का शंखनाद किया। इस अवसर पर उमड़े जन सैलाब को देखकर योगी की विशाल विजय तय मानी जा रही है। जनता पूरी तरह एक तरफा रूप से योगी के समर्थन में दिखी। जनता अन्य राजनैतिक पार्टियों की किलेबन्दी से बेपरवाह एवं निर्द्वन्द दिखाई दी। योगी के पर्चा दाखिला के पहले से ही समाज के हर वर्ग ने खुलकर अपने–अपने स्तर जनसम्पर्क एवं प्रचार प्रारम्भ कर दिया है। भाजपा समेत हिन्दू युवा वाहिनी, गोरखनाथ मन्दिर के स्वयंसेवक, विभिन्न व्यापारिक संगठन, सांस्कृतिक–सामाजिक संगठन, समाजसेवी संगठन एवं बुद्धिजीवियों के अनेकानेक संगठनों ने योगी के प्रचार–प्रसार का बीड़ा स्वयं से ही उठा लिया है। पूरे शहर समेत प्रदेश की जनता नें एकजुट होकर एक बार फिर उत्तर–प्रदेश की कमान योगी के हाथ में देने का मन बना चुकी है। महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज में आयोजित आज योगी के जनसभा में बेहद प्रतिकूल मौसम के बीच शहर विधान सभा क्षेत्र के हर वार्ड के हर आयु वर्ग के लोगों ने बड़े पैमाने पर एकत्रित होकर यह सिद्ध कर दिया कि जनता की आस्था एवं विश्वास किस हद तक योगी के पक्ष में है तथा जनता अब सिर्फ और सिर्फ योगी आदित्यनाथ जी को ही अपने मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है।

सम्पादकीय

गांवों में पहुंचतीं शहरी सुविधाओं के कारण ही पांच राज्यों के चुनावों में बिजली, सड़क, पानी जैसे मुद्दों की नहीं है गूंज

सुख-सुविधाओं के चलते शहर सदा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। दुर्भाग्यवश सुविधाओं के मामले में गांवों और शहरों के बीच की खाई बढ़ती गई। इस मामले में मोदी सरकार अलग साबित हुई। इस सरकार ने सात वर्षों में देश के लाखों गांवों को शहरों जैसी सुविधाओं से लैस कर दिया है। पिछले बजटों की तरह इस बजट में भी गांवों को सुविधा संपन्न बनाने के उपाय किए गए हैं। शायद गांवों में पहुंच रहीं सुविधाओं के कारण ही पांच राज्यों के चुनावों में बिजली, सड़क, बैंक, बीमा, फोन, आवास, शौचालय, रसोई गैस जैसे मुद्दों की गूंज नहीं।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने विजन 2020 के तहत श्पुराश अर्थात प्रोवाइडिंग अर्बन सर्विसेज इन रूरल एरियाज की संकल्पना की थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें विकसित करना था। 2004 में श्पुराश माडल को देश के सात क्लस्टरों में तीन साल के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया। 2012 में दूसरा चरण शुरू हुआ, लेकिन उसे भी सफलता नहीं मिली। 2016 में मोदी सरकार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन शुरू किया, जिसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाकर स्थानीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

सुविधाओं को सीधे लाभार्थी तक पहुंचाने के लिए मोदी सरकार ने सभी देशवासियों का बैंक खाता सुनिश्चित किया। शहरी क्षेत्रों तक सिमटे बैंक–बीमा सुविधाओं को सभी देशवासियों तक पहुंचाने के लिए 44.4 करोड़ जनधन बैंक खाते खोले गए, जिनमें महिला खाताधारकों की संख्या 24.9 करोड़ रही। 55 प्रतिशत बैंक खाते ग्रामीण और अर्द्धशहरी इलाकों में खोले गए। इस प्रकार मोदी सरकार ने नकदी हस्तांतरण की बिचौलिया विहीन व्यवस्था विकसित की, जिसके लाभ अब मिल रहे हैं।

मोदी सरकार ने सबसे अधिक सुधार बिजली क्षेत्र में किया। सभी गांवों तक बिजली पहुंचाने के बाद सरकार 24 घंटे–7 दिन बिजली आपूर्ति की दिशा में काम कर रही है। 2018–19 में जहां ग्रामीण इलाकों में औसतन 20.4 घंटे बिजली आपूर्ति होती थी, वहीं 2020–21 में यह बढ़कर 21.43 घंटे हो गई। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में यह औसत 21.4 घंटे से बढ़कर 23.35 घंटे हो गया। सौभाग्य योजना के तहत 31 मार्च 2021 तक 2.8 करोड़ घरों में बिजली कनेक्शन दिया जा चुका है। बिजली नीति 2021 में कहा गया है कि बिजली वितरण कंपनियां बिना कटौती आपूर्ति करें, ताकि जनरेटर चलाने की नौबत न आए। नवीकरणीय ऊर्जा से 24 घंटे–7 दिन बिजली आपूर्ति की दिशा में काम हो रहा है। 2016 में कुल बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 19.6 प्रतिशत था, जो 2021 में बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2019 को लालकिले से जल जीवन मिशन शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत सभी ग्रामीण घरों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों को 2024 तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। आजादी के बाद से अगस्त 2019 तक देश के 19.22 करोड़ ग्रामीण घरों में से मात्र 3.23 करोड़ घरों में नल से जल का कनेक्शन दिया गया था। मोदी सरकार अगस्त 2019 से दिसंबर 2021 अर्थात 29 महीनों में साढ़े पांच करोड़ घरों में नल से जल का कनेक्शन देने में सफल रही। जो काम 72 साल में नहीं हुआ, उससे लगभग दुगना काम मोदी सरकार ने महज 29 महीनों में कर दिया। अब तक 81 प्रतिशत स्कूलों और 78 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्रों में पानी का कनेक्शन दिया जा चुका है। देश के 83 जिलों, 43404 पंचायतों, 84565 गांवों में सभी घरों में नल से जल दिया जा रहा है।

भारत नेट परियोजना के तहत हर गांव तक ब्राडबैंड इंटरनेट सुविधा पहुंचाने के लिए 5.46 लाख किमी लंबी आप्टिकल फाइबर यानी ओएफसी केबल बिछाई जा चुकी है। देश की सभी ढाई लाख पंचायतों तक ओएफसी पहुंचाने का काम हो चुका है। अब इंटरनेट सुविधा को ग्राम पंचायतों से घरों तक ले जाने का काम हो रहा है। इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसी का नतीजा है कि आज देश में 125 करोड़ से अधिक टेलीफोन–मोबाइल कनेक्शन हैं। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार गांवों में कामन सर्विस सेंटर की सहायता से उन लोगों तक ई सेवाएं पहुंचा रही है, जिनके पास कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा नहीं। इससे ग्रामीणों को खतौनी, पासपोर्ट, पैनकार्ड, वृद्धा एवं विधवा पेंशन जैसी जरूरतें स्थानीय स्तर पर ही पूरी हो रही हैं।रसोईघरों को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए पीएम उज्ज्वला योजना शुरू की गई, जिसके तहत सात वर्षों में साढ़े आठ करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए। एलपीजी का कवरेज 95 प्रतिशत से अधिक आबादी तक पहुंच चुका है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चार करोड़ आवासों की कमी है। मोदी सरकार ने सात वर्षों में 1.6 करोड़ आवास तैयार कर लाभार्थियों को सौंप चुकी है। 2022–23 में 80 लाख गरीबों को घर देने की योजना है। गांवों को उच्च गुणवत्ता युक्त संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कें बनाई जा रही हैं। देश के लाखों गांवों को उत्पादक केंद्र बनाने की दूरगामी योजना पर भी काम हो रहा है। एक जिला–एक उत्पाद जैसी योजनाओं के जरिये देश के लाखों गांव उत्पादन की धुरी बनेंगे।

मोदी विरोधी इस सच को स्वीकार करने को तैयार नहीं कि देश की राजनीति मंडल और कमंडल के विमर्श से आगे निकल चुकी है

प्रदीप सिंह

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गीता के इस उपदेश को जीवन में उतार लिया है कि कर्म करो, फल की इच्छा मत करो। शायद फल की इच्छा किए बिना काम में लगे रहने की प्रवृत्ति ही है, जो उन्हें लीक से हटकर चलाती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का चौथा आम बजट यही कहता है। मोदी सरकार ने तात्कालिक राजनीतिक लाभ के प्रलोभन से परहेज किया। सरकार चाहती तो चुनावी फायदे के लिए लोकलुभावन घोषणाएं कर सकती थी, लेकिन देश और अर्थव्यवस्था के व्यापक हित को तरजीह देना बेहतर समझा गया। मोदी सरकार के इस बजट में पूंजी निवेश को प्राथमिकता दी गई है। पूंजी निवेश से विकास दर को बढ़ाना और रोजगार के नए अवसर जुटाना सरकार की प्राथमिकता है, पर जैसा कि पिछले करीब सात साल का चलन है, विरोध के लिए विरोध विपक्ष का एकमात्र हथियार है। विपक्ष की नजर में मोदी और उनकी सरकार की कोई विश्वसनीयता नहीं है। इसके उलट जनता की नजरों में मोदी से ज्यादा कोई विश्वसनीय नेता देश में नहीं है। वास्तव में यह संघर्ष मोदी–भाजपा बनाम विपक्ष नहीं है। यह देश के आम लोगों और विपक्ष के बीच का संघर्ष है। मोदी को तो लड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ रही है। मोदी पर हर हमले का जवाब तो जनता ही दे रही है। जवाब जनता दे रही है, इसका मतलब यह नहीं कि भाजपा हर चुनाव जीत रही है या जीतेगी। राज्यों में चुनावी हार–जीत कोई बड़ी बात नहीं है। उससे मोदी का विजय रथ रुकता नहीं। यह युद्ध के बीच में लड़ी जाने वाली छोटी लड़ाइयां हैं, जिनमें हार–जीत की अहमियत महज तात्कालिक है। बंगाल के चुनाव को ही देख लीजिए।

सारे मोदी विरोधियों की जबान पर एक ही बात है। मोदी–भाजपा चुनाव हार गए। हारता वह है, जो अपना राज्य और ऐतिहासिक संदर्भ में कहें तो राजपाट हार जाता है। बंगाल में भाजपा का कभी राज था ही नहीं। जिन दो पार्टियों का करीब तीस–तीस साल तक राज रहा, उनकी हार पर आपको एक शब्द सुनने को नहीं मिलेगा। तो पिछले लगभग सात साल में हार–जीत की परिभाषा बदल गई है। इस अवधि में मोदी सरकार ने आर्थिक सामाजिक क्षेत्र में इतने बड़े–बड़े काम किए हैं, जो आम लोगों को तो दिखाई देते हैं, लेकिन एक वर्ग को दिखता ही नहीं। हालत यह है कि यदि मोदी कह दें सूरज पूरब से उगता है तो उनके विरोधी कहेंगे, प्रमाण दो। हम कैसे मान लें? वे मान कर चलते हैं कि मोदी कह रहे हैं तो गलत ही होगा। भला मोदी कोई सही बात या काम कर कैसे सकते हैं? जिस सरकार ने जीएसटी, दीवालिया कानून, रेरा, बेनामी संपत्ति, अर्थव्यवस्था का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, जनधन, आधार, मोबाइल यानी जैम के जरिये गरीबों को खाते में सीधे पैसे भेजने जैसे तमाम सुधार किए हों और आजादी के बाद से सामाजिक सुरक्षा के सबसे अधिक कदम उठाएं हों, उसकी निंदा करने में थोड़ा तो संकोच होना चाहिए, लेकिन नहीं है। मोदी सरकार ने कश्मीर का नासूर अनुच्छेद 370 हटा दिया, तीन पड़ोसी इस्लामी देशों में रहने वाले वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया। विपक्ष ने इन सबका विरोध किया। सेंट्रल विस्टा का भी हर स्तर पर और हर तरीके से विरोध हुआ। हालांकि इस पर आम सहमति है कि विभिन्न मंत्रालय जिन भवनों से चलते हैं और मौजूदा संसद भवन की जगह नए निर्माण की जरूरत है, फिर भी विरोध केवल इसलिए हुआ कि यह काम मोदी कर रहे हैं। मोदी समर्थकों को इस पर हैरत होती है कि आखिर प्रधानमंत्री अपने विरोधियों को जवाब क्यों नहीं देते? नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि जब आपका दुश्मन गलती कर रहा हो तो आपको खामोश रहना चाहिए। मोदी की यह खामोशी उनकी ताकत और विश्वसनीयता, दोनों बढ़ाते हैं। उनके विरोधी नफरत के इस दलदल में जितना जोर–जोर से कूदते हैं, उतना ही गहरे धंसते जाते हैं। हाल में एक अंग्रेजी पत्रिका ने अपने सर्वेक्षण में बताया कि मोदी की लोकप्रियता अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेता से करीब आठ गुना अधिक है। मोदी देश के इतिहास में अकेले ऐसे नेता हैं, जो 20 साल से लगातार सत्ता में हैं। इतने लंबे अर्से में लोगों का भरोसा कभी डिगा नहीं। राष्ट्रीय राजनीति में आने के बाद से वह अपने विरोधियों को करीब सात साल का समय दे चुके हैं, पर अभी तक जिसने भी उन्हें गिराने की कोशिश की, वह औंधे मुंह गिरा है। लंबे समय तक देश का वंचित वर्ग कांग्रेस के नारे, वादे और भविष्य के सपने पर उसके साथ रहा। मोदी ने पिछले लगभग सात साल में उस वर्ग को लाभार्थी वर्ग में तब्दील कर दिया है। मोदी के नारे और वादे हकीकत की ठोस शक्ल ले चुके हैं और समाज के वंचित वर्ग के सपने अब बड़े हो गए हैं। अब वह जो मिल गया, उसे अपना प्रारब्ध मानकर संतुष्ट होने को तैयार नहीं है। उसकी महत्वाकांक्षा बढ़ती जा रही है। उसकी आकांक्षा को पूरा करने में उसे सरकार का साथ मिल रहा है। इसलिए यह जुगलबंदी दिनों दिन मजबूत होती जा रही है। विपक्ष इसे जातीय अस्मिता की तलवार से काटना चाहता है, पर उसका हाथ नाकामी ही लग रही है। मोदी विरोधी इस सच्चाई को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि देश की राजनीति मंडल और कमंडल के विमर्श से आगे निकल चुकी है। राजनीति में और खासतौर से चुनावी राजनीति में हाशिये पर पड़े विकास के मुद्दे को मोदी मुख्यधारा में ले आए हैं। देश के लोगों ने इस बदलाव को न केवल स्वीकार कर लिया है, बल्कि उन्हें यह रास भी आ रहा है। इसलिए जातीय अस्मिता की राजनीति लगातार भोथरी होती जा रही है। मोदी हिंदुत्व को भी राजनीति की मुख्यधारा में लाने में सफल रहे हैं। वह भी श्सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासश नारे के साथ। अब हिंदू विरोध राजनीतिक विकल्प नहीं रह गया है।

सारे मोदी विरोधी आजकल मंदिरों की परिक्रमा कर रहे हैं। विरोधियों ने पंथनिरपेक्षता की अपनी ही बनाई हुई परिभाषा से पल्ला झाड़ लिया है, लेकिन इस बदलाव को औपचारिक और सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं कर पा रहे।

साइबर ठगी से बचाव के साथ संबंधित संगठनों की तय हो जवाबदेही

डा. महेश परिमल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक पूर्व न्यायाधीश पूनम श्रीवास्तव के बैंक खाते से झारखंड के साइबर अपराधियों द्वारा पांच लाख रुपये की ठगी के सभी आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी के मामले में पैसे की सुरक्षा की जिम्मेदारी बैंक की होनी चाहिए। अदालत ने माना कि बैंक में पैसा जमा करने वाले देश के प्रति ज्यादा ईमानदार हैं। हर हाल में उनका पैसा सुरक्षित रहना चाहिए। इससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। कालाबाजारी करने वाले लोग पैसा तहखाने में रखते हैं, जो देश के विकास में काम नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि बैंक यह कहकर नहीं बच सकती कि वह इसके जिम्मेदार नहीं है। इसके साथ ही पुलिस भी यह कहकर नहीं बच सकती कि साइबर अपराधी उनकी पहुंच से दूर नक्सली क्षेत्रों में रहते हैं। एक बात तो तय है कि इस एक उदाहरण के अलावा भी ऐसे उदाहरण आपको मिल सकते हैं जिनमें साइबर ठगी पर सरकार के विभिन्न प्राधिकरणों का रवैया ढिला–ढाला ही रहा है। लिहाजा साइबर ठगी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। व्यापार–उद्योग तथा दैनंदिन जीवन में डिजिटल ट्रांजेक्शन लगातार बढ़ रहा है। लेकिन उस तेजी से साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का उपयोग नहीं बढ़ रहा है। ऐसे में साइबर क्राइम या आनलाइन ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे साइबर क्राइम के कारण साइबर सिक्योरिटी एक नई इंडस्ट्री के रूप में उभर रही है। अब देश भर में साइबर सिक्योरिटी का बाजार डेढ़ लाख करोड़ रुपये वार्षिक पार कर गया है। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते

हुए सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत इस पर नियंत्रण का काम शुरू किया। इधर जैसे–जैसे सख्ती बढ़ती गई, अपराधियों ने भी नए–नए पैंतरे आजमाने शुरू कर दिए। लेकिन इस दिशा में पुलिस अभी तक पूरी तरह से सजग नहीं हो पाई है। साइबर सेल का अलग विभाग बना देने के बाद भी वहां अपने मोबाइल के खो जाने की रिपोर्ट लिखवाने के लिए कई बार चक्कर लगवाया जाता है। कुल मिलाकर पुलिस इस दिशा में अभी तक सचेत नहीं हुई है। इसलिए साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कोर्ट की फटकार के बाद भी पुलिस अपनी जवाबदेही से बचना चाहती है। इस अपराध में सबसे बड़ी बात यह है कि लोग आधुनिक तकनीक की पूरी जानकारी नहीं रखते। थोड़ी–सी ही जानकारी के आधार पर लोग अपने डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि का प्रयोग असावधानीवश करते रहते हैं। इस अपराध में अपराधी सामने नहीं होता। वह सुदूर क्षेत्रों में या फिर विदेश में बैठकर भी यह अपराध कर लेता है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन साइबर अपराधियों को मौका मिल जाता है। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों में लालच का भाव भरा हुआ है। मुफ्त में मिलने वाली किसी भी चीज के लिए वे इन्कार नहीं करते। इसलिए वे प्रलोभन का शिकार हो जाते हैं। अपराधी उनकी इसी कमजोरी का पूरा फायदा उठाते हुए उन्हें ठग लेते हैं। सामान्य जनता आधुनिक संसाधनों का खूब इस्तेमाल करती है, पर सजगता नहीं होने के कारण वह अक्सर ठगी का शिकार हो जाती है। जनता यह नहीं सोचती कि आजकल कोई आपको मुफ्त में एक कप चाय नहीं पिलाता, तो फिर वह क्यों केवल आपको लाखों रुपए यूं ही दे देगा। ये अपराधी मानव के भीतर की लालसा को जगाकर उनसे ठगी कर लेते हैं। बैंक द्वारा बार–बार यह आग्रह किया जाता है कि किसी अनजान को कभी अपना मोबाइल नंबर, आधार नंबर या ओटीपी न दें। बैंक कभी किसी से फोन पर किसी भी तरह की जानकारी नहीं मांगती। फिर भी लोग लालच में आकर ठगी का शिकार हो जाते हैं। व्यापार में पूंजी निर्माण के लिए और अपने व्यापार को बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा अनिवार्य हो गई है। वैश्विक स्तर पर कारपोरेट बिजनेस में साइबर ठगी की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार देश में सालाना लगभग 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान साइबर ठगी के कारण हो रहा है। इसमें महाराष्ट्र और दिल्ली सबसे ऊपर हैं। सरकार इस दिशा में सक्रिय होकर लोगों को लगातार साइबर अपराध के बारे में जागरूक भी कर रही है। परंतु जब तक लोग पूरी तरह से सतर्क और सजग नहीं होंगे, तब तक साइबर ठगी का शिकार होते रहेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी इस संबंध में यह सोचने को विवश करती है कि साइबर अपराधियों पर किस तरह से रहम किया जाए। उनकी जमानत अर्जी को क्यों मंजूर की जाए? इन अपराधियों ने लोगों के सपनों को कुचलने का प्रयास किया है। लोगों की मेहनत की कमाई को एक झटके में झटक लेने का काम किया है। उनके सपनों को ऐसे ही चूर–चूर नहीं किया जा सकता। अब तो सरकार को भी इस दिशा में सख्त से सख्त कार्रवाई वाले प्रविधानों को जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही आम लोगों को भी इस ओर सतर्क होना होगा ताकि कोई आपकी कमाई लालच देकर न हथिया ले। साथ ही आर्थिक लेनदेन से संबंधित सभी जगहों पर अपनी गोपनीयता को बनाए रखें। सरकार एवं बैंकों द्वारा जो भी निर्देश दिए जाएं, उनका पूरी ईमानदारी से पालन करें। यदि नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं, तो उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति भी सजग होना होगा।

पर्वतमाला परियोजना के तहत कैसे देगी भारत सरकार पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास को धार

विवेक ओझा

भारत सरकार ने भारतमाला और सागरमाला के बाद अब पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये भारत के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास को नई ऊर्जा देने का निर्णय किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों, सामरिक सड़कों के निर्माण, बंदरगाह और तटीय क्षेत्र की सुरक्षा को गति देने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के पर्वतीय क्षेत्रों खासकर सीमांत गांवों के समावेशी विकास के लिए पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये एक मजबूत ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। चूंकि भारत के पर्वतीय राज्य और सीमांत गांव राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन क्षेत्रों में देश की सुरक्षा और विकास से जुड़ी रणनीति और विजन का साफ होना जरूरी है। कोरोना महामारी के दौरान चीन ने जिस लालच भरी नजरों से लद्दाख के कई क्षेत्रों, गलवन घाटी, दौलत बेग ओल्डी, सिक्किम के नकूला सेक्टर, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला, मुनस्यारी, चमोली और उत्तरकाशी जिलों को देखा, उसके बाद भारत सरकार द्वारा इन पर्वतीय क्षेत्रों में जिस उच्च स्तरीय सुरक्षा अवसंरचनाओं का विकास तीव्र गति से किया गया, उससे सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एक आक्रामक विजन की तस्वीर सामने आई। संक्षेप में कहें तो कोविड महामारी के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों के विकास और सुरक्षा की रणनीति को अब मोदी सरकार ने पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये साकार करने की ठानी है जिसे सभी पर्वतीय राज्यों के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है। भारत के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा रणनीति में अहमियत को चीन के सैन्य विशेषज्ञों के वक्तव्य के जरिये जाना जा सकता है। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी की शुरुआत हो चुकी थी, ऐसे समय में चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए सैन्य साजो–सामान बनाने से जुड़े एक मिलिट्री एक्सपर्ट ने कहा था कि ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों के लिए भारत के पास विश्व के सबसे ज्यादा अनुभवी सैनिक हैं और पर्वतीय इलाकों में तैनाती के लिए हर भारतीय सैनिक के पास पर्वतारोहण का श्अनिवार्य स्किलश है। वहीं श्माडर्न वीपनरी मैग्जिनश के सीनियर एडिटर हुआंग गुओझी ने भी कहा था, श्वर्तमान में मैदानी और पर्वतीय इलाकों में दुनिया की सबसे ज्यादा अनुभवी सेना अमेरिका, रूस या यूरोपीय महाशक्ति के पास नहीं, बल्कि यह भारत के पास है।। पर्वतमाला का उद्देश्य रू पर्यटन भारत जैसे विकासशील देश के जीडीपी ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण आधार है और इसी बात को ध्यान में रखकर 2022–23 के बजट के तहत केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के बजट में 18.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है और इसके लिए 2400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पर्यटन क्षेत्र को गति देने की ही खास योजना पर्वतमाला है। महामारी के बीच पर्यटन को रफ्तार देने के लिए यह योजना लाभकारी सिद्ध होगी। खास बात यह है कि महिला पर्यटकों की सुरक्षा पर भी 5.27 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोडने़ में मदद मिलेगी। इसी उद्देश्य से पहाड़ी राज्यों को केंद्रीय बजट 2022–23 में आठ रोपवे की सौगात मिली है। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख और पूर्वोत्तर के कुछ राज्य शामिल हैं। राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत पर्वतमाला को पीपीपी मोड से चलाया जाएगा। इसी साल यानी 2022–23 में इन पहाड़ी राज्यों में 60 किमी लंबे आठ रोपवे परियोजनाओं को शुरू किया जाना है। पर्वतीय राज्यों में सड़क निर्माण काफी कठिन होता है। ऐसे में रोपवे से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के मौके भी उपलब्ध होंगे। इन रोपवे परियोजनाओं को आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाएगा, ताकि सुरक्षा भी बनी रहे। परियोजना की आवश्यकता रू भारत चीन के साथ 3,488 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिन भारतीय राज्यों की सीमा चीन से लगती है वे सभी पर्वतीय राज्य हैं। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जम्मू कश्मीर चीन से 1597 किमी, हिमाचल प्रदेश से 200 किमी, उत्तराखंड से 345 किमी, सिक्किम से 220 किमी और अरुणाचल प्रदेश से 1126 किमी लंबी सीमा साझा होती है। भारत के इन पर्वतीय राज्यों में चीन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने के चलते कई तरीके की सुरक्षा और उससे जुड़ी कई अन्य चुनौतियां हैं। इन पांच पर्वतीय राज्यों के सीमा पर स्थित गांवों में अक्सर चीन द्वारा अतिक्रमण की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल आजादी के 74 वर्षों में सीमांत गांवों अथवा भारत के अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित संवेदनशील क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की मुख्यधारा में नहीं आ पाए थे। इस देश में आदिवासी अथवा जनजातीय क्षेत्रों नक्सल और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के समावेशी विकास पर भी काफी देर बाद ही बल दिया जाना शुरू हुआ। इसके चलते भारत के कुछ पड़ोसी देशों खासकर चीन और पाकिस्तान के भारत विरोधी मंसूबे मजबूत हुए और कालांतर में इन देशों ने नेपाल और बांग्लादेश में स्थित भारत विरोधी तत्वों से गठजोड़ करके भारत के सीमा क्षेत्रों को असुरक्षित करने के प्रयास में जुट गए। सुरक्षा अवसंरचना पर काम रू चाहे भारत द्वारा श्योक नदी से दौलत बेग ओल्डी तक 235 किमी लंबे अति सामरिक महत्व के सड़क का निर्माण हो, सिक्किम में भारत चीन सीमा से मात्र 60 किमी दूर स्थित सामरिक महत्व वाले पाकयोंग हवाई अड्डे का उद्घाटन हो, भारतीय वायु सेना द्वारा यहां पर अपने सबसे विशालकाय विमान एएन–32 उतारने की घटना हो, पर्वतीय क्षेत्रों में नौसेना के टोही विमान डोर्नियर की भी उपस्थिति हो, चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर प्रतिसंतुलित करने हेतु भारतीय सेना द्वारा डोकलाम प्रकरण के बाद बार्डर रोड आर्गेनाईजेशन के साथ मिलकर तीन नई सड़कों के निर्माण का कार्य हो, तवांग और बूमला सेक्टर्स के पास सेला दर्रे के पास भारत एक महत्वाकांक्षी सुरंग निर्माण को भी अंजाम दे रहा है।

सेला दर्रे के पास 317 किमी लंबे बालीपाड़ा–चारद्वार–तवांग एक्सिस पर भारत दो सैन्य महत्व की दो सुरंगे भी बना रहा है।

इलेक्ट्रिक कारों ने नगर निगम का घटाया खर्चा

संवाददाता

अलीगढ़। नगर निगम में लगीं इलेक्ट्रिक कारों ने डीजल का खर्च घटा दिया है। किराए पर लगीं गाड़ियों के वापस होने के बाद ये खर्चा भी कम हुआ। प्रतिमाह पांच से आठ लाख रुपये तक खर्चे में कमी आयी है। इसके अलावा बेवजह चलने वाले पंपिंग स्टेशन, जेनरेटर, वाहनों पर भी अंकुश लगा है। डीजल की ज्यादा खपत पंपिंग स्टेशनों पर हो रही थी। नाले और सीवर की निकासी के लिए ये पंपिंग स्टेशन दिनभर चलते हैं। मानसून में तो खर्चा और बढ़ जाता है। इलेक्ट्रिक कार की एक बार बैट्री चार्ज हो जाए तो पूरे दिन दौड़ती है। नगर निगम के अधिकारियों के लिए कानपुर की ट्रैवल एजेंसी से 16 लग्जरी गाड़ियां किराए पर मंगाई गई थीं। इनमें बोलेरो का किराया 39 हजार रुपये व इनोवा का किराया करीब 50 हजार रुपये था। 2019 में तत्कालीन नगर आयुक्त सत्यप्रकाश पटेल ने निगम का खर्चा कम करने के लिए इलेक्ट्रिक कार मंगाने का निर्णय लिया था। ईईएसएल कंपनी से अनुबंध कर कुछ समय बाद किराए पर छह इलेक्ट्रिक कार मंगा लीं। वहीं, सात बोलेरो वापस कानपुर भिजवा दी गईं। इसके बाद पांच इलेक्ट्रिक कार और मंगाई गईं। ये कारें जोनल अधिकारी व विभागाध्यक्षों की सुपुर्दगी में दी गईं हैं। इन्हीं कारों से अधिकारी फील्ड में निकलते हैं। पिछले साल ये कारें उस समय और चर्चा में आ गईं, जब स्वच्छता निरीक्षक, स्टोर से जुड़े कर्मचारी भी इन कारों में घूमते नजर आए। जबकि, ये कर्मचारी निगम की कारों के लिए अधिकृत नहीं है। जबकि, अधिकृत अधिकारी बोलेरो में घूमते मिले। सेवाभवन में इसको लेकर चर्चाएं होने लगीं तो आला अफसरों ने निगरानी शुरू करा दी। अधीनस्थ को विभागीय कार्रवाई की हिदायत दी गई। इस सख्ती के बाद इलेक्ट्रिक कारें कर्मचारियों की सुपुर्दगी में नहीं दी गईं।

बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल और ट्रामा सेंटर में लागू होगा ओटी पैकेज सिस्टम, मरीजों को मिलेगा लाभ

संवाददाता

वाराणसी। पूर्वांचल के एम्स के कहे जाने वाले चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल व ट्रामा सेंटर में भी ओटी (आपरेशन की निर्धारित दर) पैकेज सिस्टम लागू होगा। इसके लागू होने यहां आने वाले पूर्वांचल, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के भी लाखों मरीजों को लाभ मिलेगा। कारण कि इस सिस्टम के तहत सभी विभागों में आपरेशन की दर का निर्धारण हो जाएगा, जिसका लाभ सीधे मरीजों को मिलेगा। साथ ही मनमाने ढंग से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मरीजों से राशि ऐंठने वालों पर भी लगाम लगेगी। मरीजों को सस्ते व उचित दर पर आपरेशन की सुविधा मिलेगी। वैसे भी पीजीआइ, एम्स सहित देश–प्रदेश के अन्य सरकारी संस्थानों में यह व्यवस्था पहले से ही लागू है। ओटी पैकेज सिस्टम लागू होने जाने पर सभी तरह के आपरेशन की दर चस्पा करनी पड़ेगी। इसमें यह भी दर्शाना पड़ेगा कि फला आपरेशन में कितना खर्च आएगा। दवाओं, उपकरण व अन्य खर्च का भी विवरण देना पड़ेगा। ताकि मरीजों को इसे लेकर मरीजों या उनके तीमारदारों को कोई दुविधा नहीं रहे। हालांकि ओटी पैकेज सिस्टम लागू करने के लिए पहले भी कवायद की जा चुकी है, लेकिन काकस ने मरीज हित में इस पूरा नहीं होने दिया गया। कारण कि इसमें अस्पताल के कुछ लोगों के साथ ही कुछ बाहरी दुकानदार भी इस नेक पहल में कोई न कोई अड़ंगा डालते रहा है। हालांकि कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन से पदभार ग्रहण करते ही स्पष्ट कर दिया है कि छात्रों व मरीजों के हित में सभी निर्णय लिए जाएंगे। इसमें किसी भी प्रकार का दबाव आड़े हाथ नहीं आएगा। बीएचयू के अस्पताल में ओटी सिस्टम को लागू करने की योजना बनाई जाएगी। ताकि मरीजों को इसका लाभ मिल सके। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक भार नहीं पड़ेगी।

डीएम ने समझाया वोट का महत्व, साथ ही कहा सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो

संवाददाता

हाथरस। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाए जाने के उद्देश्य से स्वीप योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा संयुक्त रुप से खेल मैदान रजापुर बरामई, ग्राम पंचायत नगला विजन, विकास खंड हसायन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी रमेश रंजन ने महिला, युवा मतदाताओं सहित शत प्रतिशत मतदान करने, मतदान करने हेतु शपथ दिलाई एवं लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी का आभार व्यक्त कर, बधाई देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के तहत जनपद में 20 फरवरी 2022 दिन रविवार को तृतीय चरण के अंतर्गत मतदान होगा। आप सभी स्वयं और परिवार के सभी सदस्य मतदान के दिन मतदान अवश्य करें। युवा मतदाताओं से आवाहन किया कि अपने अभिभावकों को मतदान के महत्व के बारें में जानकारी दें तथा मतदान के दिन मतदान केन्द्र पर ले जाकर मतदान अवश्य कराऐं। उन्होंने सभी मतदाताओं से आवाहन किया कि मतदान के दिन सभी कामों को छोड़कर पहले मतदान करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है वह स्वयं मतदान करें और अपने आस–पड़ोस तथा परिवारीजनों को भी मतदान करने के लिए अवश्य मतदान केंद्र पर भेजे। अपने मत का प्रयोग कर अपने मनपसंद प्रतिनिधि को चुनकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम योगदान प्रदान करें। मतदान करने हेतु सभी को समान अधिकार प्रदान किए गए हैं। इसमें किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं रखा गया है। आप सभी लोग अपने मत का प्रयोग बिना किसी जाति, धर्म, मजहब, किसी प्रलोभन या किसी के दबाव में आकर न करें बल्कि अपने बुद्धि और विवेक से निष्पक्ष ढंग से मतदान करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग मतदाता के उपस्थित होने पर बुके देकर स्वागत किया।

सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, वोट हमारा है अधिकार, नहीं करेंगे हम इसको बेकार तथा मेरा वोट मेरा भविष्य जैसे स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका गौतम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी साहित्य प्रकाश मिश्र, उप जिलाधिकारी सिकन्दराराऊ वेद सिंह चौहान, जिला विद्यालय निरीक्षक रितु गोयल, बेसिक शिक्षा अधिकारी शाहीन, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिभापाल, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, सीडीपीओ हसायन, खंड विकास अधिकारी, ग्रामीण जनता तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

बलिया में नामांकन करने के लिए कक्ष तक दौड़ते हुए पहुंचे मंत्री उपेंद्र तिवारी

संवाददाता

बलिया। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के छठवें चरण का नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पहले दिन फेफना विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार उपेंद्र तिवारी और बिल्थरारोड विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार छट्ठू राम ने नामांकन किया। मंत्री उपेंद्र को क्षेत्र में घूमने के कारण देर हो चुकी थी। वह 2 बजकर 55 मिनट पर कलेक्ट्रेट के गेट पर पहुंचे। यहां से दौड़ते हुए नामांकन कक्ष तक पहुंचे। मंत्री उपेंद्र तिवारी के साथ सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर रहे, जबकि छट्ठू राम के साथ सलेमपुर के सांसद रविंद्र कुशवाहा नामांकन कराने साथ पहुंचे। नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ सिर्फ दो लोगों के जाने की इजाजत थी। जुलूस पर पूरी तरह रोक थी, लेकिन कलेक्ट्रेट तक प्रत्याशी भीड़ लेकर ही पहुंचे थे। कोरोना गाइडलाइन का पालन कराने के क्रम में प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट के गेट पर ही चेकिंग का इंतजाम किया गया था। बिल्थरारोड विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी छट्ठू राम ने शुक्रवार को माता–पिता का आशीर्वाद लेकर जिला मुख्यालय के लिए निकले। चौकिया मोड़ पर भाजपा नेताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सांसद रविन्द्र कुशवाहा, नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश गुप्ता और भाजपा पदाधिकारियों के साथ चौकिया मोड़ पर बाबा साहब को माल्यार्पण किया और मालीपुरा नगरा के रास्ते बलिया के लिए रवाना हुए। फेफना विधानसभा से मंदिरों में मत्था टेक मंत्री उपेंद्र तिवारी नामांकन के लिए निकले। उजियार, भरौली, सोहांव, बसंतपुर सुरही लक्ष्मणपुर आदि जगहों पर समर्थक हाथों में माला फूल लिए उनके स्वागत को कतारबद्ध दिखाई दिए। फेफना विधान सभा क्षेत्र से भाजपा से नामांकन किए मंत्री उपेंद्र तिवारी के पास 2.85 करोड़ रुपये की चल व अचल संपत्ति है, वहीं 92.80 लाख रुपये की देयता है। उनकी पत्नी दीपिका तिवारी के पास 2.95 करोड़ की संपत्ति है जबकि उन पर 2.16 करोड़ की देयता है। मंत्री की पत्नी के नाम पर एक पिस्टल भी है। एक क्वालिस गाड़ी है। शपथ पत्र में मंत्री ने सभी तरह की संपत्ति का दर्शाया है। मंत्री ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर बतायी है। बेल्थरारोड विधान सभा क्षेत्र के भाजपा से नामांकन किए छट्ठू राम के पास 491600 रुपये की चल–अचल संपत्ति है। इनकी पत्नी रीता देवी के पास 351370 रुपये की चल–अचल संपत्ति है। पत्नी पर 304166 रुपये की देयता है। नामांकन के दौरान छट्ठू राम की ओर से शपथ पत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर बतायी गई है।

पूजा मुहूर्त सिद्घ योग में वसंत पंचमी का संयोग है फलदायी, मां सरस्वती की पूजा से अक्षय पुण्य की प्राप्ति

संवाददाता

जौनपुर। माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि वसंत पंचमी के नाम से जानी जाती है। इस वर्ष इस पावन पर्व का सुखद संयोग पांच फरवरी शनिवार उत्तराभाद्र पद नक्षत्र और सिद्ध योग में है। वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। इस दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना की जाती है। इनकी पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। ज्योतिष एवं तंत्र आचार्य डाक्टर शैलेश मोदनवाल के अनुसार इस दिन पीले रंग के वस्त्र पहन कर मां सरस्वती की पूजा का विधान है। वसंत पंचमी को सभी शुभ कार्यों के लिए अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। विद्यारंभ, नवीन विद्या प्राप्ति एवं गृह–प्रवेश के लिए वसंत पंचमी को पुराणों में भी अत्यंत श्रेयकर माना गया है। मां सरस्वती के साथ भगवान गणेश, सूर्यदेव, भगवान विष्णु व शिवजी की भी पूजा–अर्चना करनी चाहिए। श्वेत फूल–माला के साथ माता को सिंदूर व अन्य शृंगार की वस्तुएं भी अर्पित करें। माता के चरणों पर गुलाल भी अर्पित करने का विधान है। प्रसाद में पीले रंग की मिठाई या खीर का भोग लगाएं। यथाशक्ति ६ ऐं सरस्वत्यै नमः का जप करना चाहिए। इस दिन से बच्चों को विद्या अध्ययन प्रारंभ कराने से बुद्धि कुशाग्र होती है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर वसंत पंचमी मनाई जाती है। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा–अर्चना को समर्पित पर्व इस बार पांच फरवरी को पड़ रहा है। पंचमी पांच की भोर 3.48 बजे लग जा रही है जो छह की भोर 3.47 बजे तक रहेगी। पूजन के लिए सुबह 7.17 बजे से 12.35 बजे तक यानी पांच घंटे 28 मिनट बेहद शुभ मुहूर्त है। वसंत पंचमी माघ मास के स्नान पर्व में प्रमुख है। तिथि विशेष पर श्रद्धालु प्रयाग संगम, काशी गंगा समेत नदियों में पुण्य की डुबकी लगाते हैं। काशी में तिथि विशेष पर काशी विश्वनाथ का तिलकोत्सव मनाया जाता है। भोर से ही अनुष्ठान शुरू होते हैं और शाम को तिलक की रस्म निभाई जाती है। होलिका दहन के निमित्त विधि पूर्वक रेड़ भी गाड़ी जाती है।

3000 छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति देगा बीएचयू, 106वें स्थापना दिवस पर महामना वार्षिक कोष 'प्रतिदान' लांच

संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 106वें स्थापना दिवस पर कुलपति सुधीर कुमार जैन ने महामना वार्षिक कोष 'प्रतिदान' लांच किया। इसमें पूर्व छात्रों व समाज के हर वर्ग के लोगों से स्वेच्छया दान का आह्वान किया। कहा सर्व सहयोग से एकत्र कोष से विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष लगभग 10 फीसद यानी करीब 3000 छात्रों को योग्यता, उपलब्धि या आर्थिक स्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाएगी। उन्होंने बीएचयू के विकास और विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल कराने का संकल्प जताया। इस अभियान को संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि बताया। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पूंजी वहां के प्रतिभाशाली छात्र, प्राध्यापकों व छात्रों के शोध होते हैं। इन्हीं के आधार पर विश्वविद्यालय आगे बढ़ता है। बीएचयू में आने वाली प्रतिभा अर्थाभाव में कुंठित न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। गरीब छात्रों की भी मदद की जाएगी।

कुलपति ने कहा कि जन सहयोग से उनके अथवा उनके प्रियजन के नाम पर शोध के लिए विश्वविद्यालय में पीठ स्थापित की जाएगी। इसके लिए प्रतिदान कोष में जनसहयोग का आह्वान किया जा रहा है। बीएचयू की टीम ने अब तक 70 हजार पूर्व छात्रों का ई–मेल एड्रेस एकत्र कर लिया है। उनसे व विश्वविद्यालय के अन्य शुभेच्छुओं से भी संपर्क किया जा रहा है। दानकर्ताओं के पास अपनी रुचि के कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता का विकल्प होगा। दानराशि आयकर नियमावली की धारा 80जी के तहत पूर्णतया कर मुक्त होगी।

विश्वविद्यालय के विकास में भागीदार बनने के इच्छुक पुरा छात्रों, शुभचिंतकों व दानकर्ताओं की सहूलियत के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने प्रतिदान के लिए एक नया बैंक खाता खुलवाया है। इसमें कोई भी आर्थिक योगदान दे सकता है। विश्वविद्यालय पांच लाख रुपये प्रति छात्र के हिसाब से न्यूनतम योगदान की आवश्यकता होगी। इस तरह से 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। जबकि पीठ की स्थापना के लिए 60 लाख रुपये के प्रतिदान की आवश्यकता होगी। कुछ छात्रों के धरना–प्रदर्शन, कर्मचारियों के आंदोलन आदि से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझसे खुश या नाराज रहने के लिए हर कोई स्वतंत्र है। कोई मुझ पर दबाव बनाकर काम नहीं करा सकता। इस मौके पर रेक्टर प्रो. वीके शुक्ल भी मौजूद थे। एक प्रश्न के उत्तर में उपस्थित कुलसचिव डा. नीरज त्रिपाठी ने बताया कि कुछ संकायों व संबद्ध कालेजों में सीटें खाली रह गई हैं। इस वजह से उनमें अभी पठन–पाठन नहीं शुरू हो पाया है। आठ फरवरी को इस संबंध में होने वाली बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

नामांकन करने के लिए कक्ष तक दौड़ते हुए पहुंचे मंत्री उपेंद्र तिवारी

संवाददाता

बलिया। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के छठवें चरण का नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पहले दिन फेफना विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार उपेंद्र तिवारी और बिल्थरारोड विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार छट्ठू राम ने नामांकन किया। मंत्री उपेंद्र को क्षेत्र में घूमने के कारण देर हो चुकी थी। वह 2 बजकर 55 मिनट पर कलेक्ट्रेट के गेट पर पहुंचे। यहां से दौड़ते हुए नामांकन कक्ष तक पहुंचे। मंत्री उपेंद्र तिवारी के साथ सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर रहे, जबकि छट्ठू राम के साथ सलेमपुर के सांसद रविंद्र कुशवाहा नामांकन कराने साथ पहुंचे। नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ सिर्फ दो लोगों के जाने की इजाजत थी। जुलूस पर पूरी तरह रोक थी, लेकिन कलेक्ट्रेट तक प्रत्याशी भीड़ लेकर ही पहुंचे थे। कोरोना गाइडलाइन का पालन कराने के क्रम में प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट के गेट पर ही चेकिंग का इंतजाम किया गया था।

बिल्थरारोड विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी छट्ठू राम ने शुक्रवार को माता–पिता का आशीर्वाद लेकर जिला मुख्यालय के लिए निकले। चौकिया मोड़ पर भाजपा नेताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सांसद रविन्द्र कुशवाहा, नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश गुप्ता और भाजपा पदाधिकारियों के साथ चौकिया मोड़ पर बाबा साहब को माल्यार्पण किया और मालीपुरा नगरा के रास्ते बलिया के लिए रवाना हुए।

फेफना विधानसभा से मंदिरों में मत्था टेक मंत्री उपेंद्र तिवारी नामांकन के लिए निकले। नारेबाजी करते हुए फुल मालाओं से स्वागत किया।

उजियार, भरौली, सोहांव, बसंतपुर सुरही लक्ष्मणपुर आदि जगहों पर समर्थक हाथों में माला फूल लिए उनके स्वागत को कतारबद्ध दिखाई दिए। फेफना तिराहे पर कार्यकताओं ने फेफना विधान सभा क्षेत्र से भाजपा से नामांकन किए मंत्री उपेंद्र तिवारी के पास 2.85 करोड़ रुपये की चल व अचल संपत्ति है, वहीं 92.80 लाख रुपये की देयता है। उनकी पत्नी दीपिका तिवारी के पास 2.95 करोड़ की संपत्ति है जबकि उन पर 2.16 करोड़ की देयता है। मंत्री की पत्नी के नाम पर एक पिस्टल भी है। एक क्वालिस गाड़ी है। शपथ पत्र में मंत्री ने सभी तरह की संपत्ति का दर्शाया है। मंत्री ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर बतायी है।

बेल्थरारोड विधान सभा क्षेत्र के भाजपा से नामांकन किए छट्ठू राम के पास 491600 रुपये की चल–अचल संपत्ति है। इनकी पत्नी रीता देवी के पास 351370 रुपये की चल–अचल संपत्ति है। पत्नी पर 304166 रुपये की देयता है। नामांकन के दौरान छट्ठू राम की ओर से शपथ पत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर बतायी गई है।

चंदौली के चंधासी कोल मंडी में डंप हो रहा पावर प्रोजेक्ट का कोयला

- सोनभद्र से हिरासत में लिया गया जालासाज

संवाददाता

चंदौली। पावर प्रोजेक्ट से बिजली उत्पन्न करने के लिए जाने वाले कोयले कोल डिपो में डंप हो रहा है। चंधासी, जौनपुर, मीरजापुर, रामनगर सहित अन्य मंडियों में कोयला पहुंचा रहा है। यह पूरा खेल अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा है। कई बार छापेमारी की गई, लेकिन आज तक एक भी कारोबारी पर एफआइआर तक नहीं हुआ। हालांकि, अनपरा से गलत बिल बनाने वाला जालसाल को हिरासत में लिया गया है। लंबे समय से चल रहे इस खेल में राजस्व को भारी नुकसान हुआ है। चंधासी मंडी में रोजाना 15 से 16 टन लिंकेज का कोयला आ रहा है। लिंकेज कोयले के ट्रकों को पकड़े जाने के बाद खलबली मची है। एनसीएल (नार्दन कोल लिमिडेट) से लिंकेज कोयले मंगाने वाले कारखानों की लिस्टी मांगी गई है। संभावना है कि दो दिनों में उन व्यापारियों का नाम सामने आ जाएगा, जो लिंकेज का कोयला डिपो में मंगवाते हैं। कोयला मंडी में कोयले का अवैध कारोबार जमकर हो रहा है। रोजाना हो रहे लाखों के इस अवैध कारोबार से पुलिस प्रशासन बिल्कुल अनजान है। हालांकि कभी कभार पुलिस कार्रवाई करती है, लेकिन इस गोरखधंधे पर पूरी तरह विराम नहीं लग पा रहा है। स्थानीय कोल मंडी में धनबाद, रानीगंज, आसनसोल, सिंगरौली व दुद्धिचूहा के खदानों से कोयला आता है। खदानों से लिंकेज (सब्सिडाइज दर) के कोयले के खरीद फरोख्त होती है। सस्ते दर पर कोयला लेकर महंगे दामों पर बेचा जाता है। कोयले मंडी में भ्रष्टाचार को लेकर कई तरह का खेल चल रहा है। मंडी के भ्रष्टाचार को उजागार करने के लिए सीबीआइ कई बार छापेमारी कर चुकी है। अभियान के कुछ दिनों तक तो सबकुछ ठीक चला है। कुछ दिन बाद भ्रष्टाचार का खेल फिर से बदस्तूर जारी हो जाता है।

ऐसा लगता है कि व्यापारियों को सीबीआइ तक का डर नहीं रहा। अब एक बार फिर से जीएसटी की एसआइबी (स्पेशल इंवेस्टिगेशन ब्रांच) टीम के धमकने से कोल व्यापारियों की धुकधुकी बढ़ गई है।

वाराणसी के पिंडरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय बोले, मोदी-योगी को नमक में दफनाया जाएगा

संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की मतदान की तारीख जैसे–जैसे पास आ रही है, नेताओं की बयानबाजी तीखी होती जा रही है। अब वाराणसी के पिंडरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सात मार्च को बनारस में मतदान के दिन नमक के साथ जमीन में गाडने की बात कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। इस मामले में भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। इस संबंध में अजय राय ने सफाई दी है कि वायरल वीडियो फर्जी है और मेरी बातों को गलत ढंग से पेश किया गया है। उन्होंने योगी–मोदी को नहीं बल्कि राशन की दुकानों पर मिल रहे खराब नमक को सात मार्च के के बाद मिट्टी में मिलाने की बात कही है। वह योगी और मोदी को सत्ता से हटाने की बात कह रहे थे। सरकार चाहती है, गरीबी नहीं गरीब ही खत्म हो जाएं। वीडियो में अजय राय योगी सरकार की ओर से मुफ्त राशन में खराब नमक दिए जाने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। वह लोगों से कह रहे हैं कि उस नमक को जुटा करके रखें। सात मार्च को वह मोदी–योगी के साथ जमीन में गाडने के काम आएगा। उस नमक की सही उपयोगिता वही होगी। गौरतलब है कि राय दो बार वाराणसी सीट से प्रधानमंत्री के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

कांग्रेस ने पूरा किया अपना वादा, भाजपा ने बरेली में एक भी महिला उम्मीदवार पर नहीं जताया भरोसा

संवाददाता

बरेली। लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे के साथ विधानसभा चुनाव में 40 फीसद टिकट महिलाओं को देने की प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिज्ञा जिले में कुछ हद तक पूरी हो गई। जिले की नौ में से चार विधानसभा सीट पर महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया गया था। जिसमें से एक महिला उम्मीदवार ने घोषणा के बाद दूसरी पार्टी की सदस्यता ले ली। जिन्हें बाद में सपा ने उसी विधानसभा से टिकट दिया। वहीं बसपा ने एक महिला को टिकट दिया है। जबकि भाजपा ने एक भी महिला उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया है। लंबे समय से जिले की एक भी विधानसभा सीट न जीत पाने वाली कांग्रेस पार्टी अपनी खोई जमीन तलाशने में जुटी हुई है। विधानसभा चुनाव में पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रदेश प्रभारी बनाया है। प्रियंका गांधी ने अपने चुनावी एजेंडे में महिलाओं को शामिल किया है। पार्टी प्रियंका गांधी की नौ प्रतिज्ञाओं के साथ चुनावी मैदान में हैं। इसमें विधानसभा चुनाव में 40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने का संकल्प शामिल है। प्रत्याशी बनाने में प्रियंका गांधी ने बरेली में अपनी प्रतिज्ञा वैसे तो पूरी की है। उन्होंने जिले की नौ विधानसभा में चार सीट पर महिला उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन

कैंट से सुप्रिया ऐरन बाद में सपा में शामिल हो गई। जिसके बाद अंत में यहां से पुरुष प्रत्याशी को उतारना पड़ा। वहीं दूसरी पार्टियों की बात करें तो सपा ने कैंट से व बसपा ने फरीदपुर से महिला प्रत्याशी को टिकट दिया है। जबकि भाजपा ने आधी आबादी से दूरी बनाई है। क्या बोले कांग्रेस जिलाध्यक्षरू कांग्रेस सच्चाई के रास्ते पर चलती है। देश की आजादी से लेकर विकसित करने तक कांग्रेस का योगदान रहा है। सभी बड़ी योजनाएं कांग्रेस ने ही देश को ही है। आज प्रियंका जी द्वारा ली गई प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा 40 प्रतिशत महिला को टिकट देने को पूरा किया है। जल्द ही प्रदेश में सरकार बनते ही अन्य प्रतिज्ञा भी पूरी की जाएंगी। भाजपा की तरह हमारी पार्टी जुमलेबाजी नहीं करती।

बरेली की भोजीपुरा विधान सभा में बीएल मौर्य तैयार, शहजिल कर सकते पलटवार

संवाददाता

बरेली। जिले की नौ विधान सभा में एक है, भोजीपुरा। एनएच 24, पीलीभीत रोड और नैनीताल रोड के आसपास बसी इस विधान सभा में शहर का पाश इलाका समेत करीब 250 ग्राम पंचायत शामिल हैं। धौराटांडा, रिठौरा, देवरनिया, शेरगढ़ नगर पंचायत और भोजीपुरा ब्लाक हैं। रुहेलखंड यात्रा के अगले पड़ाव में दैनिक जागरण की टीम शहर से सटे और अंदरूनी गांवों तक पहुंची। यहां प्रत्याशी पर लोगों में असमंजस था, लेकिन योजनाओं और कानून व्यवस्था को लेकर लोग मोदी और योगी सरकार से संतुष्ट दिखे। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के लिए इस सीट की राह इस बार आसान नहीं। वजह, अपने जिन इलाकों में साइकिल बिना किसी विरोध के फर्राटा भर रही है। वहीं भाजपा के गढ़ में सेंधमारी का भी माहौल दिख रहा है। भाजपा से बागी हुए बसपा प्रत्याशी भी भाजपा और सपा के भविष्य को लेकर अहम फैक्टर हैं। कांग्रेस प्रत्याशी का बेहद सीमित जगह प्रभाव दिखा। पेश है दीपेंद्र प्रताप सिंह व राजकुमार गुप्ता की रिपोर्ट। यात्रा की शुरुआत शहर के पाश इलाके महानगर कालोनी से होती है। यहां चौराहे पर पंडित जी की दुकान है। बतौर ग्राहक पहुंचने वाले अधिकतर मतदाता एक स्वर में भारतीय जनता पार्टी यानी योगी सरकार की वापसी चाहते हैं। बोले कि योगी सरकार में योगदान के लिए भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य को वोट देंगे। हालांकि चंद कदम आगे बढ़ने पर धौरेरा माफी पहुंचते ही हालात एकदम जुदा दिखे। यहां मिश्रित आबादी है, हालांकि इलाका मुस्लिम बहुल है। तौफिल कहते हैं– हमाये हिन तो सापा ही सापा (सपा ही सपा) है। कामकाज के बारे में पूछने पर साफगोई से बोले– कोई बिधायक बनाये देबो, चाहे वो हैदराबादी (असदुद्दीन ओवैसी) आएं, होना कुछ नहीं। सबै अपनी जेबैं भरन हैं। वहीं कुम्हरा के रास्ते जाने वाले मोड़ पर मिले अकील क्षेत्र में ही सपा प्रत्याशी शहजिल इस्लाम की रिश्तेदारी का हवाला देते हैं। बोले, कोई नेता कबहूं झाकन नहीं आए, तो भला उन्हें को वोट दै। साथ मौजूद गांव के दूसरे लोग भी उनकी बात में हामी भरते हैं। थोड़ा आगे कुम्हरा, अहलादपुर, अब्दुल्ला माफी, कलारी, पहाड़गंज के मुहल्लों में भी लोग साइकिल पर सवार शहजिल या फिर हाथी की सवारी कर रहे योगेश पटेल के बारे में बात करते दिखे। कुम्हरा, अहलादपुर और अब्दुल्ला माफी कुर्मी बाहुल क्षेत्र हैं। वहीं कलारी में कुर्मी वोटर योगेश पटेल और कई मौर्य वोटर शहजिल के पक्ष में दिखाई दिए। नैनीताल रोड होते हुए टोल नाका पार कर जागरण की टीम भोजीपुरा कस्बे में पहुंची। यहां रेलवे स्टेशन के सामने कुछ लोग ओवरब्रिज के नीचे अलाव ताप रहे थे। इलाकाई मुद्दों की बात पूछने पर पीपलसाना चौधरी निवासी देवानंद गुप्ता, हेतराम, और मथुरा प्रसाद कहते हैं कि सरकार ने बहुत काम किया। राशन–पानी, सड़क की व्यवस्था की। बिजली खूब बढ़िया मिल रही। वहीं वयोवृद्ध रामचंद ने कहा कि हम तो जबते वोट डारे, तबते केवल भाजप्पा (भाजपा)। हमें कोई बिरादर ते मतलब नहीं, जा सरकार ने कामौ करो है। रूप किशोर सागर कहते हैं कि बसपा प्रत्याशी योगेश पटेल हैं, लेकिन बसपा चुनाव में है कहां ? वो पार्टी हमने कई साल पहले छोड़ दी। वजह पूछने पर बताया कि बसपा सरकार में जनता को कोई सुविधा नहीं मिली, इसलिए चेहरा नहीं काम देखकर वोट करते हैं। पास ही बैठे खेमचंद मौर्य नाम के युवक से सजातीय प्रत्याशी को वोट देने की बात कहकर हंसी–ठिठोली की। खेमचंद बोले कि बात यह नहीं है, भाजपा सरकार में कस्बे में 18–20 घंटे बिजली मिल रही। अपराध नियंत्रण में है। सरकार को गरीबों की भी सुध है, और क्या चाहिए। वहीं बाजार में मिले मनोज गुप्ता को प्रत्याशी से निजी शिकायतें हैं मगर, उनका भी कहना था कि वोट भाजपा को देंगे। कुछ आगे बढ़कर कमुआ गांव पहुंचे, यहां करीब एक हजार वोट है। साथ बैठकर चुनावी गपशप कर रहे लोगों के बीच टीम पहुंची। अमरपाल राठौर ने बताया कि गांव से भाजपा जीतेगी, क्योंकि इस सरकार में खूब सुरक्षा मिली है। विधायक ने काम भी कराया है। वहीं ख्याली राम मौर्य कहते हैं कि कुछ कुर्मी वोटर बसपा प्रत्याशी योगेश पटेल के साथ जाएगा। हालांकि भाजपा के पक्ष में मौर्य के साथ गंगवार भी बड़ी संख्या में हैं। फिर संतोषजी (सांसद संतोष गंगवार) भी खुद लगे हैं। आजौ इलाका में कई जगह वे बिरादरी और गैर बिरादरी के लोगन तै घूम–घूम के मिल रहे। वहीं मिलक इमामनगर में मिश्रित आबादी में सपा के पक्ष में कहने वालों की संख्या अधिक है। यही हाल दमौरा, अटामांडा, अभयपुर धौराटांडा और जटौवा का था। बाबू अंसारी बोले कि सपा को ही वोट देंगे, हालांकि वह वोट देने की वजह नहीं बता सके। भोजीपुरा विधानसभा सीट पर कभी किसी एक पार्टी का कब्जा नहीं रहा। वर्ष 1957 में हुए पहले चुनाव में कांग्रेस के बाबूराम जीते थे। लेकिन 1962 में जनसंघ के हरीश गंगवार ने कांग्रेस के बाबूराम को हराया। वर्ष 1969 में कांग्रेस ने एक बार फिर इस सीट पर कब्जा जमाया। लेकिन 1974 में भारतीय जनसंघ ने फिर सीट अपने नाम कर ली। इसके बाद भी कभी किसी पार्टी या प्रत्याशी ने लगातार दो विधान सभा चुनाव नहीं जीते। भोजीपुरा विधानसभा में मुस्लिम और कुर्मी मतदाता निर्णायक की भूमिका निभाते हैं। सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी है, फिर कुर्मी। इसके बाद मौर्य और कश्यप बिरादरी हैं, फिर शेष बिरादरी। भाजपा अपने परंपरागत वोट बैंक को मजबूती मानती है मगर, बसपा के योगेश पटेल का खेमा परेशान भी करता है। वहीं सपा अपने वोट बैंक के अलावा ऐसे में इस बार भी चुनाव पर लोगों की खास नजर है। सपा के शहजिल इस्लाम के वोट कांग्रेस प्रत्याशी सरदार खां कुछ जगह काटते नजर आ रहे हैं। हालांकि मेवाती मुस्लिमों की तुलना में अंसारी काफी ज्यादा हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आज से, कैसे डाले जाएंगे वोट

संवाददाता

बरेली। मतदान ड्यूटी में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के मतदान के लिए शुक्रवार से डाक मत पत्र की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बदायूं में प्रभारी डाक मतपत्र जिला कृषि अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग की व्यवस्था के अनुसार चार फरवरी से डाक मतपत्र डाले जाएंगे। इसमें सभी विभागों के अधिकारी–कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी चुनाव में ड्यूटी लगी है। यह प्रक्रिया नौ फरवरी तक चलेगी। कार्मिक प्रशिक्षण स्थल डीपाल स्कूल में डाक मतपत्र डालने की व्यवस्था की गई है। सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक डाक मत पत्र डाले जा सकते हैं। प्रत्याशियों का पता नहीं आज से शुरू होगा नामांकनरू विधानसभा चुनाव के बीच जिले में एमएलसी चुनाव की गतिविधियां भी शुरू हो चुकी हैं। भाजपा में टिकट की दौड़ में शामिल रहे नेता अब एमएलसी चुनाव की दौड़ में शामिल होने लगे हैं। विधानसभा चुनाव की व्यस्तता के कारण अभी पार्टी के जिम्मेदारों का ध्यान तो इधर नहीं है, लेकिन मतदान होते ही सरगर्मी बढ़ जाएगी। उधर, सपा में भी प्रत्याशी को लेकर मंथन

शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि टिकट कटने से असंतुष्ट किसी नेता को मौका मिल सकता है। जिले में एमएलसी की सीट पिछले पांच साल से रिक्त पड़ी हुई है। 2016 में चुनाव हुआ था तब सपा के बनवारी सिंह यादव चुनाव जीते थे, जबकि भाजपा के पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव रनर रहे थे। चुनाव के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। 2017 में विधानसभा चुनाव के दौरान ही बनवारी सिंह का निधन हो गया था। मामला कोर्ट में विचाराधीन था, इसलिए इस सीट पर उप चुनाव नहीं कराया जा सका। कार्यकाल खत्म होने के बाद विधान सभा चुनाव के बीच इसकी गति विधियां शुरू की गई हैं। 2696 मतदाताओं की सूची तैयार हो चुकी है। शुक्रवार को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। भाजपा से दावेदारों की संख्या बढ़ने लगी है, लेकिन जिम्मेदार पदाधिकारी अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। सपा में एमएलसी चुनाव के दावेदार पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव तक पहुंचने लगे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में जिन्हें टिकट नहीं मिल सका है उन्हीं में से किसी एक को मैदान में उतारा जा सकता है।

बारिश-ओलावृष्टि से बर्बाद हो गई है फसल तो परेशान न हों किसान

एजेंसी

बरेली। तराई के जिले पीलीभीत में लगातार रुक रुक कर हो रही बारिश से फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। कृषि विभाग की ओर से किसानों को सलाह दी गई है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वे अपनी फसलों के नुकसान की सूचना बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800–103–5490 पर दें। इसके अलावा प्रत्येक विकास खंड बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपलब्ध हैं। उनसे संपर्क करके फसल की क्षतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत करें। कृषि विभाग के उप निदेशक ने सभी सहायक खंड विकास अधिकारियों को अपनी अपनी न्याय पंचायत के गांवों में फसलों को बारिश और ओलावृष्टि से हुई क्षति का सर्वे कराते हुए किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं। उप निदेशक (कृषि) डा. विनोद कुमार यादव के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले में इफको टोकियो फसल बीमा कंपनी ने किसानों की फसलों का बीमा किया है। इस कंपनी के प्रतिनिधि विकास खंड कार्यालय स्तर पर पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि मरौरी में महेंद्र सिंह 8057747626, ललौरीखेड़ा अमन मौर्या 7985886047, बरखेड़ा सुनील कुमार 7900681943, अमरिया महेंद्र वर्मा 9557442291, बीसलपुर व बिलसंडा अनुराग पांडेय 7617619378 व पूरनपुर में सियाराम वर्मा 9720435718 से संपर्क कर सकते हैं।

बीमा कंपनी को दें नुकसान की सूचना, मिलेगा मुआवजा

समय पर दावा प्रपत्र जमा हो जाने से संबंधित किसानों को फसल की क्षति का मुआवजा मिल जाएगा। आंधी–बारिश से फसलों को हुआ बारिश नुकसानरू तराई के जिले पीलीभीत में आंधी, बारिश व ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा नुकसान सरसों की फसल को हुआ है। तेज हवा व ओलावृष्टि से सरसों का फूल गिर गया।

तंबाकू का सेवन करने वाले फैलाते हैं ज्यादा वायरस, रोकेगा अब स्वास्थ्य महकमा

संवाददाता

अलीगढ़। जिले में शुक्रवार को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सीएचसी हरदुआगंज व दीनदयाल अस्पताल में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में कैंसर से पीड़ित तथा अन्य बीमारियों से बचाव के लिए और तम्बाकू का सेवन करने वाले लोगों को जागरूक किया जाएगा। डीडीयू अस्पताल में ग्रीवा कैंसर से पीड़ित महिलाओं की भी जांच की जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डा. बीके राजपूत ने बताया कि कैंसर की रोकथाम करने और जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 4 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है। इसलिए इसके बचाव के लिए विभिन्न कारण और लक्षण के बारे में जानकारी होना आवश्यक है। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एसीएमओ डॉ. बीके राजपूत ने कहना है कि सिगरेट, गांजा, वाटरपाइप या वैप आदि ऐसी किसी भी चीज का सेवन करने वालों के लिए यह और गंभीर खतरा हो सकता है। न्यू कोरोना वायरस मुंह और नाक से निकलने वाली छोटी बूंदों के माध्यम से फैलता है। चबाने वाले तंबाकू का सेवन करने वाले अक्सर इसे

थूकते हैं, जो इस खतरनाक वायरस को फैलाने का एक बड़ा माध्यम बन कर अतिरिक्त खतरा पैदा कर सकता है। तंबाकू सेवन छोड़ कर आप न्यू कोरोना वायरस से जुड़े खतरे को कम करने के अलावा ज्यादा स्वस्थ रहेंगे और हृदय रोग, कैंसर, फेफड़ों की बीमारियों और तंबाकू संबंधित दूसरी बीमारियों का खतरा भी आपको कम होगा। फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा सबसे ज्यादा उन लोगों को रहता है जो स्मोकिंग करते हैं। स्मोकिंग के कारण फेफड़े की कार्यप्रणाली बुरी तरह से प्रभावित होती है और वह धीरे–धीरे कैंसर की चपेट में भी आ जाता है। इसलिए तंबाकू का सेवन और स्मोकिंग करने से बचें। यूं तो तंबाकू का किसी भी रूप में और कभी भी उपयोग करना नुकसानदेह ही है। यह ना सिर्फ इस्तेमाल करने वालों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उनके आस–पास के लोगों को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उस पर से न्यू कोरोना वायरस फेफड़ों को प्रभावित करता है।

शिक्षक हत्याकांड में सामने आई दिल दहला देने वाली कहानी, बेटे ने ही शराब पिलाने के बाद मारी थी गोली

संवाददाता

बरेली। शिक्षक प्रदीप सिंह हत्याकांड में जिसका अंदेशा था, गुरुवार को वही कहानी निकलकर सामने आई। बेटे ने ही मां के साथ मिलकर पिता को मौत के घाट उतारा था। हत्यारोपित बेटे ने कबूला कि उसके पिता जमीन बेचने की तैयारी में थे। ऐसे में यदि व जमीन बेच देते तो उसके पास कुछ न बचता। इसी के बाद मां के साथ मिलकर पिता की हत्या की साजिश रची। मां को मायके भेज दिया, पिता को शराब पिलाई। उनके नशे में होने के बाद तमंचे से सिर में गोली मार दी। हत्यारोपित बेटे गजानन सिंह के कबूलनामे के बाद हत्याकांड का राजफाश हो गया। गजानन सिंह व उसकी मां अनीता देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बहेड़ी के महादेवपुरम के रहने वाले शिक्षक प्रदीप सिंह की मंगलवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की रात ही बेटे द्वारा बताई गई कहानी में झोल लगने पर बहेड़ी पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए बैठा लिया था। बेटे गजानन ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया

था कि वह किसी काम से ननिहाल मकसुदनपुर गया हुआ था। रात में लौटकर घर पहुंचा तो पिता फर्श पर पड़े थे। उनके सिर से खून निकल रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रदीप की गोली मारकर हत्या की पुष्टि हुई।

जांच में पुलिस को पता चला कि पति–पत्नी दोनों में विवाद था। प्रदीप अपने ससुर की हत्या कर चुका है। मामले में पति–पत्नी में फैसला हो गया था। करीब दो साल पहले प्रदीप पत्नी की हत्या का प्रयास कर चुका था। मामले में उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई। 11 महीने बाद मामले में समझौता हो गया, इस पर वह बाहर आ गया और साथ रहने लगे। इसी के बाद फिर विवाद हुआ। पत्नी मायके चली गई, प्रदीप किराए पर रहने लगे। इसी के बाद प्रदीप की हत्या की सुई परिवार के इर्द–गिई ही घूमने लगी। इंस्पेक्टर बहेड़ी सुनील अहलावत ने बताया कि कबूलनामे में हत्यारोपित गजानन सिंह ने बताया कि पिता गांव की खेती की जमीन बेचने की तैयारी में थे। पूरा घर उनसे आजिज आ चुका था। जमीन बेचने के बाद पूरा घर रोड पर आ जाता, इसी के बाद मां के साथ मिलकर पिता की हत्या की साजिश रची। हत्या के बाद दुर्घटना का रुप देने की कोशिश की लेकिन, आस–पास के लोगों को भनक लगने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम में गोली मारकर हत्या की बात सामने आने के बाद मां–बेटे फंस गए।

आसान नहीं जाटलैंड का किला भेदना, जाटों का शुरू से है वर्चस्व

संवाददाता

अलीगढ़। जाटलैंड से चर्चित अलीगढ़ के विधानसभा क्षेत्र इगलास को चौधरियों के दबदबे के चलते मिनी छपरौली भी कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह के प्रभाव में रही इस सीट पर जाट वोट निर्णायक भूमिका में रहा। यही वजह है कि अब तक हुए 17 चुनावों में इस सीट से नौ बार चरण सिंह के परिवार, करीबी और पार्टी के नेता ही विधायक बने। 2008 में परिसीमन के बाद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर वर्तमान में भाजपा के राजकुमार सहयोगी विधायक हैं। चुनावी बिसात फिर बिछ चुकी है। इस बार भी हर दल जाटलैंड का किला भेदने के प्रयास में जुटा है। मगर, ये इतना आसान नहीं है। ब्रज के इस पश्चिमी द्वार से पूरब की राह तय कर विजय का पताका कौन फहराता है? यह देखना अभी बाकी है। ब्रज की देहरी पर बसे इगलास में प्रवेश करते ही ब्रज में होने का एहसास होने लगता है। बस स्टैंड से लगभग 20 किमी दूर धरणीधर सरोवर के किनारे बैठे ग्रामीणों में दलों की खेमेबंदी पर चर्चा हो रही थी। गांव जारौठ के कमलेश कह रहे थे, भाजपा फिर तै बाजी मारेगी। वे कुछ और बोल पाते, तभी कस्बे के राजू बोल पड़े, रालोद कू भी कम मत आंकियौं, अब तौ सपा भी संग हतै। दोनों के वोट मिलाए लईयौं, पलड़ा भारी बैठेगो। चौधरियन कौ राज चलौ है यहां, तभी तौ जाए मिनी छिपरौली कहतैं। असाबर के मुनेश सहमति जताते हुए बोले, बात तौ सई ऐ, चौधरी साब (चौ. चरण सिंह) के समय तै यहां जाटन कौ राज है, बिना उनै संग लए कोउ न जीत सकत। पास ही बैठकर बीड़ी सुलगा रहे बुजुर्ग रामजीलाल ने धीरे से कहा, ब्राह्मण भी कम नायै, टक्कर पर ऐं। पिछलौ चुनाव सभी कू संग लेकै भाजपा के दिलेर ने जीतौ, फिर राजकुमार सहयोगी तौ भाजपा तै ई विधायक बने। रालोद तै टिकट न मिलने पर कछू नेता खपा हैं, एक ने तौ कांग्रेस से टिकट ले लियौ। सरोवर के निकट मुख्य मार्ग पर दुकान पर चाय पी रहे राज सिंह दुकानदारों को चुनावी गणित समझा रहे थे। बोले, रालोद और सपा कौ अपनौ वोट बैंक है, ये कहूं न भटकौ तो गठबंधन को कू लाभ मिल सकतै। भाजपा इन वोटन में सैंध लगा रई ए, बसपा प्रत्याशी कू दलित वोट के संग पिछड़न को साथ मिलेगौ।

इगलास सुरक्षित सीट है। 21 साल बाद 2017 में भाजपा ने यहां जीत का परचम लहराया था। राजवीर दिलेर विधायक बने। 2019 में विधायकी छोड़ वे हाथरस से लोकसभा चुनाव लड़े और जीते। उपचुनाव हुए तो इगलास से राजकुमार सहयोगी ने जीत दर्ज कराई। अब वे भाजपा से फिर मैदान में हैं।

उन्हें योगी सरकार के साथ ढाई वर्ष के अपने कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की बदोलत अपनी नैया पार लगने का भरोसा है। उधर, सपा–रालोद गठबंधन ने नए प्रत्याशी वीरपाल दिवाकर को उतारा है। इन्हें रालोद के परंपरागत वोट बैंक के भरोसे जीत की उम्मीद है। उधर, बेटे को टिकट न मिलने से खफा पूर्व विधायक त्रिलोकीराम दिवाकर के स्वर विरोधी हो रहे हैं। रालोद से टिकट न मिलने पर प्रीति धनगर कांग्रेस के हाथ थामकर मैदान में कूद पड़ी हैं। रालोद नेता केपी सिंह भी लोकदल से मैदान में उतर आए हैं। बसपा ने भी नए चेहरे सुशील कुमार पर दांव खेला है। चुनौतियां भरपूर हैं। स्थानीय मुद्दों पर वोटों के ध्रुवीकरण के प्रयास कर हर प्रत्याशी चुनावी समीकरण में उलझा हुआ है। चौ. चरण सिंह का इगलास सीट पर खासा प्रभाव था। 1967 के चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेता मोहनलाल ने उनके करीबी शिवदान सिंह का टिकट कटवा दिया और खुद चुनाव लड़ा। चरण सिंह नाराज हो गए और भारतीय क्रांति दल (बीकेडी) गठित कर 1969 में इस सीट से अपनी पत्नी गायत्री देवी को चुनाव लड़वाया, वह विधायक बनीं। फिर उन्होंने शिवदान सिंह के बेटे राजेंद्र सिंह को मैदान में उतारा। राजेंद्र ने यहां से 1974, 1977 और 1985 में जीत दर्ज की। वे मंत्री भी बने। चरण सिंह के निधन के बाद राजेंद्र सिंह और चौ. अजित में मनमुटाव हो गया, जिसका फायदा कांग्रेस नेता चौ. बिजेंद्र सिंह ने उठाया। 1989 का चुनाव जीतने के बाद 1993 में भी वह विधायक बने। 1996 के चुनाव में मलखान सिंह जीत दर्ज कर भाजपा का परचम फहराया। 2007 में रालोद के टिकट से मलखान सिंह की पत्नी विमलेश सिंह जीतीं। अनुसूचित जाति के लिए यह सीट आरक्षित होने के बाद 2012 में भी यह सीट रालोद के कब्जे में रही थी। इसी विधानसभा क्षेत्र में राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का शिलान्यास हुआ। अलीगढ़–मथुरा रोड के साथ ही कई प्रमुख सड़क भी बनी हैं। लेकिन, मुख्य मार्गों पर जाम, बेसवां में खारे पानी की समस्या, आलू के निर्यात और प्रोसेसिंग यूनिट न होना बड़े मुद्दे हैं। कस्बे के प्रशांत शर्मा कहते हैं, रोड तो बन गया मगर कस्बे में जाम की समस्या खत्म न हुई। असाबर के प्रमोद शर्मा का कहना है कि विश्वविद्यालय बड़ी उपलब्धि है। चंदफरी के अनिल पचौरी ने बताया सड़कें बनने से राह आसान हुई है। जाम का समाधान हो। बेसवां के मनोज सक्सेना कहते हैं कि उन्हें आवास मिल गया है। खारे पानी की समस्या खत्म होनी चाहिए।

नासा ने पोस्ट की ऐसी तस्वीर जिसे एक दिन में 1 मिलियन से अधिक बार देखा गया, आप भी डालिए नजर

एजेंसी

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) अक्सर इंस्टाग्राम पर ऐसे पोस्ट शेयर करता है, जो लोगों को हैरान कर देती है। इसी बीच नासा ने एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है जिसमें अलग–अलग तरह की लाइट्स दिखाई गई है। बता दें कि, इस तस्वीर को एक मिलियन से ज्यादा बार देखा गया है। नासा ने इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा है कि, बाई अवर पावर्स कंबाइंडश,एनिमेटेड केरेक्टर कैप्टन प्लैनेट के प्रसिद्ध कैचफ्रेज को अलग तरीके से इस्तेमाल किया, फिर उन्होंने बताया कि कैसे तस्वीरों को कैप्चर किया गया था। नासा ने लिखा कि दूरबीन से डेटा के संयोजन के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्रकाश का पता लगा सकता है, हम पूरी तरह से ब्रह्मांडीय घटनाओं की जांच कर सकते हैं। इन तस्वीरों को @NASAChandraXray vkSj @NASAHubble सहित, जमीन और अंतरिक्ष में टेलीस्कोप से डेटा जोड़कर बनाया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे ब्रह्मांड (न्दपअमतेम)कई रूपों में लाइट और एनर्जी का उत्सर्जन करता है। तस्वीर के बारे में आगे और बताते हुए कहा कि, एक सफेद ड्रॉफ स्टार और एक लाल विशालकाय कक्षा (त्मक ळपंदज व्तइपज)को एक दूसरे को दिखाता है। बता दें कि, पोस्ट को एक दिन पहले यानी गुरुवार को शेयर किया गया था।

पोस्ट किए जाने के बाद से, तस्वीरों को एक मिलियन से अधिक बार देखा गया है। इस पोस्ट पर लोगों ने कई कमेंट भी किया हैं। एक यूजर ने लिखा कि, बहुत सुंदर तो अन्य यूजर ने तस्वीर की तारीफ करते हुए लिखा कि, ब्रह्मांड आश्चर्यजनक है।

हिंसक झड़प में घायल PLA सैनिक को ओलंपिक मशाल वाहक बनाए जाने पर अमेरिका ने की चीन की निंदा, भारत का दिया साथ

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह चीन की आक्रामकता के खिलाफ भारत के प्रति एकजुट है। दरअसल देश के अनेक सांसदों ने 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में घायल हुए पीएलए के एक सैनिक को ओलंपिक मशाल वाहक बनाने के चीन के फैसले की निंदा की, इसके बाद अमेरिका ने यह बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बृहस्पतिवार को एक दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जहां तक बात भारत–चीन सीमा विवाद की है, हम सीधे संवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करना जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा, '' हमने पहले भी अपने पड़ोसियों को डराने–धमकाने के चीन के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की है। जैसा कि हम हमेशा करते हैं, हम दोस्तों के साथ खड़े हैं। हम हिंद–प्रशांत में अपनी साझा समृद्धि, सुरक्षा तथा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए भागीदारों और सहयोगियों के साथ खड़े हैं।''

इससे पहले दिन में, दो शीर्ष अमेरिकी सांसदों मार्को रुबियो और जिम रिश ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रेजिमेंटल कमांडर क्वी फाबाओ को ओलंपिक मशाल वाहक बनाने के फैसले के लिए चीन की आलोचना की थी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने भी आरोप लगाया कि चीन की सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा ओलंपिक का इस्तेमाल किया जा रहा है और चीन में मानवाधिकारों के हनन से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि सेना के रेजिमेंट कमांडर क्वी फाबाओ 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ सीमा पर हुई हिसंक झड़प में घायल हो गए थे और चीन ने ओलंपिक समारोह में उन्हें मशाल वाहक के रूप में चुना है। गलवान घाटी संघर्ष में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हुए थे। पिछले वर्ष फरवरी में चीन ने आधिकारिक रूप से स्वीकार किया था कि उसके पांच सैन्य अधिकारी तथा जवान झड़प में शहीद हुए थे। बीजिंग में 24वें शीतकालीन ओलंपिक समारोह की शुरुआत शुक्रवार को होगी।

एक तरफ जहां पाकिस्तानी सैनिक मारे जा रहे, वहीं राष्ट्रपति ऑनलाइन गेम खेलने में लगे थे

एजेंसी

वाशिंगटन। पाकिस्तान के लिए काल बन चुके बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना की चौकियों पर हमला कर जमकर रक्तपात मचाया। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान प्रांत के पांचगीर और मुश्किर इलाके में फ्रंटियर कोर और पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर भीषण हमला किया। बलूच विद्रोहियों के तरफ से किए दावों के अनुसार इस हमले में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। उधर पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि बलूचों के हमले को विफल कर दिया गया है। लेकिन जब पाकिस्तानी सैनिकों के खून बहाए जा रहे थे उस वक्त पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ऑनलाइन गेम खेलने में व्यस्त थे। पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने इस बात का जिक्र खुद ही ट्विट करते बताया है कि वो ूवतकसम ऑनलाइन गेम खेल रहे थे और उन्होंने काफी अच्छा स्कोर किया है। बूलच विद्रोहियों के हमलों के बीच पाक राष्ट्रपति के किए गए ट्विट को लेकर उनकी खूब आलोचना होने लगी। जिसके बाद अल्वी ने अपना ट्विट डीलिट कर लिया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और अल्वी की इस हरकत को लेकर उन्हें खूब ट्रोल किया जाने लगा। बता दें किॅवतकसम एक नया ऑनलाइन गेम है, जो आपकी शब्दावली यानी की वोकैबुलरी का टेस्ट करने के लिए बनाया गया है। इसके नियम बहुत सरल और सीधे हैंरू आपको केवल पांच अक्षरों वाले शब्द का अनुमान लगाना है। इससे पहले बलूच विद्रोहियों ने 10 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था और उसके तीस घंटे बाद जनरल बाजवा ने उसी स्वीकार किया था। बहरहाल पाकिस्तान सेना ने माना है कि उनके एक सैनिक की मौत हुई है।

विंटर ओलंपिक सेरेमनी का भारत समेत कई देशों ने किया बायकॉट

एजेंसी

भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद का असर बीजिंग विंटर ओलंपिक में दिखाई दे रहा है। आपको बता दें कि भारत ने पड़ोसी मुल्क चीन को करारा जवाब देते हुए ओलंपिक के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। दरअसल, चीन ने विंटर ओलिंपिक के बहाने सियासत करने की कोशिश की। चीन ने बुधवार को खेलों की मशाल रिले निकाली। इसमें खिलाड़ियों के साथ एक मशाल धारक के रूप में की फाबाओ को पेश किया गया था। मशाल रिले ले जाने वाला की फाबाओ साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में शामिल था। उस वक्त फाबाओ जख्मी हुआ था। हालांकि उसकी जान बच गई। इस हिंसक झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। जबकि अमेरिका समेत दुनिया के कई मीडिया हाउसेस ने दावा किया था कि चीन के 40 सैनिक मारे गए थे। हालांकि चीन ने मारे गए सैनिकों की संख्या नहीं बताई।

भारत ने किया बहिष्कार

भारतीय राजनयिकों ने बीजिंग विंटर ओलंपिक के भव्य उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लिया। एक पखवाड़े तक चलने वाले विंटर ओलंपिक की शुरुआत राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की। हालांकि अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और कई पश्चिमी देशों ने उद्घाटन समारोह के राजनयिक बहिष्कार का फैसला किया है। इस बीच कोरोना महामारी संक्रमण का खतरा भी बरकरार है।

उद्घाटन समारोह से पहले जिनपिंग ने कहा था कि चीन सुरक्षित और शानदार शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 139वें सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान जिनपिंग ने कहा कि चीन दुनिया के सामने सुरक्षित और शानदार खेलों के आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा और ओलंपिक सिद्धांत सबसे तेज, उच्चतम, सबसे मजबूत–एक साथ पर काम करेगा।

भारत ने दिया था करारा जवाब

भारत ने घोषणा की थी कि बीजिंग में भारतीय दूतावास के मामलों के प्रमुख 2022 विंटर ओलंपिक के उद्घाटन या समापन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि चीन ने गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में शामिल सैन्य कमांडर को खेल प्रतियोगिता का मशाल धारक बनाकर सम्मानित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बाग्ची ने चीन के इस कदम को खेदजनक करार दिया। बीजिंग में आधिकारिक रूप से स्पष्ट किया गया है कि भारतीय दूतावास से कोई भी समारोह में हिस्सा नहीं लेगा।

विंटर ओलंपिक में हिस्सा ले रहा भारत का 6 सदस्यीय दल हालांकि अन्य देशों के खिलाड़ियों के साथ उद्घाटन समारोह में शामिल हुआ। साल 2008 के यादगार उद्घाटन और समापन समारोहों के साथ दुनिया को चकाचौंध करने के 14 साल बाद फिर से बीजिंग ओलंपिक खेलों का आयोजन कर रहा है।

ऐसे में भारत के स्की खिलाड़ी आरिफ खान हाथों में तिरंगा लिए दिखाई दिए। वही एकमात्र स्की खिलाड़ी ते जिन्होंने बीजिंग विंटर ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया है। आपको बता दें कि बीजिंग विंटर ओलंपिक में भारत, अमेरिका समेत 91 देशों के 2,871 खिलाड़ी 109 स्पर्धाओं में शामिल होंगे।

राहुल का सरकार पर तंज, कहा- भारत के लिए जुमला और चीन के लिए नौकरियां पैदा कीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चीन के बहाने लगातार सरकार पर हमलावर है। इसके साथ ही वह सरकार पर बेरोजगारी को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। इन सबके बीच आज एक बार फिर से राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सरकार ने भारत के लिए जुमला और चीन के लिए नौकरिया पैदा की हैं। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि भारत के लिए जुमला, चीन के लिए नौकरियां। मोदी सरकार ने असंगठित क्षेत्र और एमएसएमई को बर्बाद कर दिया जो सबसे ज्यादा नौकरियों का सृजन करते हैं। नतीजा यह है कि 'मेक इन इंडिया' (भारत में निर्माण) 'बाय फ्रॉम चाइना' (चीन से खरीद) बन गया है।

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने जो वीडियो साझा किया, उसमें कहा गया है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के मुकाबले मौजूदा सरकार में चीन से आयात में बढ़ोतरी हुई है और 2021 में चीन से आयात 46 प्रतिशत बढ़ गया है। इससे पहले राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि चीन भारतीय नागरिकों का अपहरण कर उन्हें प्रताड़ित कर रहा है और वह (मोदी) चुपचाप "अच्छे दिनों" का इंतजार कर रहे हैं। गांधी ने ट्वीट किया था कि चीन ने पहले हमारे देश की जमीन पर कब्जा किया और अब हमारे नागरिकों का अपहरण और उन्हें प्रताड़ित कर रहा है। मोदी जी चुपचाप अच्छे दिनों का इंतजार कर रहे हैं।

वहीं राहुल ने संसद में मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा था कि देश को 'शहंशाह' की तरह चलाने की कोशिश हो रही है तथा इस सरकार की नीतियों के चलते आज देश आंतरिक एवं बाहरी मोर्चों पर 'बड़े खतरे' का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार की नीति के कारण ही आज चीन एवं पाकिस्तान एक साथ आ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार में दो हिंदुस्तान बन गए हैं ।

आबकारी विभाग ने की अवैध स्पिरिट की सप्लाई करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी

शिमला । राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने आज यहां बताया कि जिला मंडी स्थित

गोवर्धन बॉटलिंग प्लांट में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं की कड़ियों को जोड़ते हुए और ऑनलाइन डाटा के द्वारा ई वे बिलों की जांच करते हुए विभाग ने जिला सिरमौर के काला अंब स्थित एक औद्योगिक परिसर ,डच फोरमुलेशन में विभाग के संयुक्त आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी उज्जवल राणा के नेतृत्व में टीम ने निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परिसर में किसी भी प्रकार का कोई उत्पाद तैयार नहीं किया जा रहा था । उक्त इकाई के पास ड्रग अथॉरिटी द्वारा कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है इस यूनिट ने वर्ष 2020– 21 में 8.06 करोड़ रूपए की परचेज ई वे बिलो में की है और लगभग 4,.77 करोड़ रूपए की बिक्री दिखाई है । और दोनो में कुल अंतर 3.39 करोड़ रुपए बनाता है। जिसका कोई भी स्टॉक परिसर में नही पाया गया । इस कंपनी की एक अन्य फर्म डेनिश लैब अम्बाला में है। इस फर्म के भी ई वे बिल चेक किये गए । इस दौरान पाया गया कि इस फर्म ने सी एम ओ धर्मशाला को हैंड् सैनिटाइजर के चार खेप नवंबर व दिसंबर 21 में भेजे हैं । इसी तरह इसी फर्म ने हैंड सैनिटाइजर के 3 खेप राजीव गांधी आयुष मेडिकल कॉलेज पपरोला को भेजे हैं। इन सभी की कीमत 51 लाख रुपए है। इस के अतिरिक्त मैसर्स डच फॉर्मूलेशन काला अम्ब ने भी हैंड सैनिटाइजर की एक खेप पपरोला कॉलेज को भेजी है। इस कि कीमत 7. 50 लाख है। यहां ये भी उल्लेखनीय हैं कि उक्त फर्मो को समय दिए जाने के बावजूद भी किसी तरह की डिटेल विभाग को उपलब्ध नहीं करवाई है विभाग ने यह सारा डेटा ई वे बिल सिस्टम से निकाला है । जब इसकी दोनो विभागों से जांच पड़ताल करवाई तो उन्होंने लिखित में सूचित किया कि उन्होंने ऐसी कोई भी सप्लाई नही मंगवाई है और न ही प्राप्त की है। यह व्यापारी ई इन ए का कारोबार भी करते है। कुल अवैध सप्लाई 58.50 लाख रुपए की है जिससे लगभग एक लाख बल्क लीटर स्पिरिट खरीदी जा सकती है। और लगभग 37 से 40 हज़ार पेटी शराब का उत्पादन किया जा सकता है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त फर्मो द्वारा हैंड सेनीटाइजर सप्लाई करने की आड़ में स्पिरिट की आपूर्ति की जा रही थी। इस संबंध में विभाग द्वारा उक्त फर्म के खिलाफ आगामी कार्रवाई करते हुए एफ आई आर दर्ज करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अम्बाला में शहीद स्मारक के निर्माण कार्यों का जायजा लिया

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज अम्बाला छावनी में बनाए जा रहे आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी का यह 75वां वर्ष है जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी की गाथा बहुत लंबी है और इस महोत्सव के दौरान युवाओं को आजादी के संग्राम और शहीदों के बारे में जानकारी मिले, इसके दृष्टिगत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के दौरान प्रस्तुतीकरण के माध्यम से 1857 स्वतंत्रता संग्राम की क्रांति जो अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी, उसके बारे में जानकारी ली। यह शहीद स्मारक 22 एकड़ में 261 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है और इसका लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस स्मारक में इंटरप्रीटेशन सैंटर, ओपन एयर थियेटर, म्यूजियम, ओडिटोरियम, वाटर बॉडी एंड कनैक्टिंग ब्रिज, मेमोरियल टावर, अंडर ग्राउंड डबल बेसमैंट पार्किंग, इन्फोरमेशन सैंटर, हैलीपैड आदि का निर्माण किया जा रहा है। शहीद स्मारक कार्यों का अवलोकन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने अधिकारियों तथा शहीद स्मारक को तैयार करने में अपना योगदान देने वाले राईटर को भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मनोहर लाल ने कहा कि पहले यह माना जाता था कि 1857 की क्रांति मेरठ से शुरू हुई थी लेकिन तथ्यों और इतिहासकारों के द्वारा यह बताया गया कि मेरठ से 10 घंटे पहले स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी अम्बाला छावनी में उठी थी जोकि धीरे–धीरे हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों तथा देश के विभिन्न हिस्सों तक फैल गई। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति और शहीदों की याद में यह महत्वपूर्ण स्मारक बनाया जा रहा है जिससे आने वाली पीढियों को प्रेरणा मिलेगी और उन्हें अपने क्रांतिकारी वीर शहीदों के जीवन के बारे में जानकारी मिल पायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबों कहानियों के द्वारा इतिहास कईं प्रकार से जाना जा सकता है, लेकिन इस प्रकार के ऐतिहासिक स्मारक का निर्माण होने से देखने वालों को प्रत्यक्ष रूप से इतिहास की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक से जन–जन में देश के प्रति और अधिक प्रेम की भावना जागृत होगी। उन्होंने कविता की पंक्तियों, जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं के द्वारा देश–प्रेम के बारे अपने भाव व्यक्त किए।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के अनसंग हीरों की याद में अम्बाला छावनी में स्मारक बनाने की लगातार उठाई आवाज

इस अवसर पर गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री का अम्बाला छावनी में पहुंचने पर स्वागत करते हुए कहा कि वे सन 2000 से विधानसभा में यह विषय रखते आए हैं कि 1857 की स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी और उन अनसंग हीरों की याद में अम्बाला छावनी में एक स्मारक बनना चाहिए। वे आवाज लगातार उठाते आ रहे थे। उनका ध्येय भी यही था कि आजादी की जो चिंगारी अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी उसके बारे में जन–जन को जानकारी मिले और शहीद स्मारक के माध्यम से लोग अपने शहीदो की कुर्बानियों एवं बलिदानों को याद कर उनसे प्रेरणा ले पाएं।

उन्होंने कहा कि कुछ दलों ने शुरू से यह इतिहास पढाया कि आजादी की लड़ाई उन्होंने लड़ी जबकि यह लड़ाई 1857 में शुरू हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि इससे यह बात साफ होती है कि हिन्दुस्तान के लोगों में आजाद होने का जज्बा पहले से ही था और उन्होने आजादी की पहली अलख 1857 में ही जगा दी थी। ऐसे क्रांतिकारी वीर शहीदों का नाम कहीं आगे नहीं आने दिया गया और उनके जीवन के बारे में पढाया नहीं गया और न ही उन्हें याद किया गया। गृहमंत्री ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी और उन्होंने शहीद स्मारक की बात मुख्यमंत्री के सामने रखी तो उन्होंने इसे तुरंत स्वीकृति दे दी।

अंबाला में बन रहा स्मारक हिंदुस्तान का सबसे बेहतरीन आर्किटैक्चर होगा

श्री अनिल विज ने कहा कि हिंदुस्तान का यह सबसे बेहतरीन आर्किटैक्चर शहीद स्मारक बन रहा है और इसके लिए इतिहासकारों की एक कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी में प्रो. युवी सिंह को भी लिया गया है तथा इतिहासकार स्वर्गीय के.सी. यादव के रिसर्च एवं दस्तावेजों के माध्यम से भी यह साबित होता है कि आजादी की पहली लड़ाई जो 1857 में शुरू हुई थी वह मेरठ से लगभग 10 घंटे पहले अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान का यह एक बेहतरीन और भव्य शहीद स्मारक बनेगा जिसे जीटी रोड़ से गुजरने वाला प्रत्येक व्यक्ति अवश्य रूकेगा। शहीद स्मारक का कार्य पूरा होने के बाद अम्बाला छावनी एक टूरिस्ट सैंटर बन जायेगा जहां देश के ही हीं बल्कि दूनिया के पर्यटक यहां पर भ्रमण करने के लिए आयेंगे। शहीद स्मारक के अलावा इसके नजदीक ही एक साईंस म्यूजियम भी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, अम्बाला मंडल की आयुक्त रेणू एस फूलिया, उपायुक्त श्री विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रधांवा, अतिरिक्त उपायुक्त श्री सचिन गुप्ता ,सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ कुलदीप सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपिका पादुकोण

की तरह पहनें वेस्टर्न वियर, दिखेंगी स्टनिंग

एजेंसी

दीपिका पादुकोण एक बेहतरीन अदाकारा हैं। लेकिन फैन्स उन्हें सिर्फ उनकी एक्टिंग स्किल्स के कारण ही पसंद नहीं करते, बल्कि उनका स्टाइलिंग सेंस भी गजब का है। इंडियन वियर हो या वेस्टर्न वियर, हर आउटफिट में वह खुद को बेहद ही डिफरेंट तरीके से स्टाइल करती हैं, जिसके कारण उनका लुक बस देखते ही बनता है। खासतौर से, अगर आपने विंटर्स में वेस्टर्न वियर पहनने का मन बनाया है तो ऐसे में आप दीपिका पादुकोण के लुक्स से आइडियाज ले सकती हैं। दीपिका जल्द ही फिल्म गहराइयां में नजर आने वाली हैं और इन दिनों मूवी के प्रमोशन के दौरान वह वेस्टर्न वियर में अपना स्टाइल फ्लॉन्ट कर रही हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दीपिका पादुकोण के कुछ वेस्टर्न वियर्स आउटफिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी बेहद पसंद आएंगे–

व्हाइट एंड ब्लैक ब्लेजर ड्रेस

अगर आप किसी पार्टी या खास अवसर पर बेहद ही स्टनिंग अंदाज में वेस्टर्न वियर पहनना चाहती हैं तो ऐसे में दीपिका पादुकोण की तरह व्हाइट एंड ब्लैक ब्लेजर ड्रेस पहन सकती हैं। दीपिका ने इसके साथ लॉन्ग बूट्स को पेयर किया है। वहीं वेट ब्रेड हेयर लुक और विंग्ड आईलाइनर व पिंक लिप्स लुक काफी अच्छा लग रहा है।

ऑरेंज वेस्टर्न ड्रेस

दीपिका पादुकोण का यह वेस्टर्न वियर लुक देखने में बेहद ही स्टनिंग लग रहा है। इस लुक में दीपिका ने एसिमेट्रिकल वेस्टर्न ड्रेस को स्टाइल किया है। जिसमें नेकलाइन पर स्लिट लुक बेहद खास लग रहा है। इसके साथ सटल मेकअप और गोल्डन स्टेटमेंट इयररिंग्स काफी स्टाइलिश लग रहे हैं। दीपिका ने इसके ब्लैक हील्स और ओपन हेयर वेव्स लुक कैरी किया है।

रेड वेस्टर्न ड्रेस

दीपिका पादुकोण ने इस लुक में रेड वेस्टर्न ड्रेस को कैरी किया है और इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स को पेयर किया है। वहीं, इस स्लीवलेस हॉल्टर नेकलाइन आउटफिट के साथ डार्क लिप्स लुक काफी स्टनिंग लग रहा है। ओपन हेयर वेव्स लुक उनके इस लुक को कॉम्पलीमेंट कर रहा है।

पिंक गाउन लुक

अगर आप वेस्टर्न वियर में एक सॉफ्ट व ब्यूटीफुल लुक कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में आप दीपिका पादुकोण के इस लुक से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इस बैकलेस गाउन में रफल्स लुक काफी अच्छा लगता है। डायमंड इयररिंग्स ज्वैलरी उनके इस लुक को कॉम्पलीमेंट कर रहा है। मेकअप दीपिका ने बेहद ही लाइट रखा है और लो बन बनाया है।

तो अब आप दीपिका पादुकोण के किस लुक को रिक्रिएट करना पसंद करेंगी? यह हमें फेसबुक पेज के कमेंट सेक्शन में अवश्य बताइएगा।

शिल्पा शेट्टी के नाम पति राज कुंद्रा ने ट्रांसफर की इतने करोड़ की प्रॉपर्टी

एजेंसी

साल 2021 शिल्पा शेट्टी के लिए काफी मुश्किल भरा रहा था क्यों कि उनके पति राजकुंद्रा पोर्न फिल्म निर्माण मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर दिए गये थे। तीन महीने जेल में बिताने के बाद राज कुंद्रा जेल से बाहर आये। इस दौरान पति के उपर लगे आरोपों के कारण शिल्पा शेट्टी भी काफी सवालों में घिरी रहीं। वह एक लंबे समय तक काम पर भी नहीं गयी थी। राज को अश्लील सामग्री बनाने और विभिन्न साइटों पर प्रकाशित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक्ट्रेस ने सभी से मुश्किल वक्त में अपनी प्राइवेसी का सम्मान करने को कहा। घटना के छह महीने से अधिक समय के बाद, राज कुंद्रा ने अब अपनी पत्नी शिल्पा को 38.5 करोड़ रुपये की संपत्ति हस्तांतरित की है। व्यवसायी राज कुंद्रा ने कथित तौर पर अपने जुहू वाले घर का स्वामित्व अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी को हस्तांतरित कर दिया है। 'चामल.बवउ की रिपोर्ट के मुताबिक, पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार और जमानत पर रिहा हुए व्यवसायी ने 38.5 करोड़ रुपये की संपत्ति अपनी अभिनेत्री पत्नी को हस्तांतरित कर दी है। एक्सेस किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि कुंद्रा ने ट्रांसफर कर दिया कि जुहू में स्थित ओशन व्यू नाम की इमारत में कुल 5 फ्लैटों के साथ–साथ पूरे बेसमेंट को उनकी पत्नी के नाम पर ट्रांसफर कर दिया गया। स्क्वायरफीटइंडिया डॉट कॉम के संस्थापक वरुण सिंह ने आगे कहा कि, राज कुंद्रा द्वारा शिल्पा शेट्टी को हस्तांतरित कुल क्षेत्रफल लगभग 5,996 वर्ग फुट है। यह वह घर भी है जिसे पति और पत्नी दोनों ने अपने वर्तमान पते के रूप में दिखाया है। दूसरी ओर, शेट्टी ने ट्रांसफर डीड पर 1.9 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया। दस्तावेजों को कथित तौर पर 21 जनवरी, 2022 को पंजीकृत किया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि हस्तांतरण का मूल्यांकन मौजूदा बाजार दर पर किया गया था जो अनुमानित रूप से 65,000 रुपये प्रति वर्ग फुट है।

हिना खान ने ट्रांसपेरेंट शर्ट पहन कराया बोल्ड फोटोशूट

एजेंसी

नई दिल्ली। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है जो कि बड़ी तेजी से वायरल हो रही हैस हिना खान ने कुल 5 तस्वीरें शेयर की हैस इसके साथ उन्होंने सूरजमुखी के फूल की इमोजी शेयर की हैस हिना खान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैस इसे 24 घंटे में तीन लाख 90 हजार के करीब लाइक्स मिले हैंस वहीं इसपर 2300 से ज्यादा कमेंट किए गए हैंस

हिना खान ने हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है

हिना खान पहली तस्वीर में पीले कलर की डीप नेक ओपन बटन शर्ट पहनकर पोज करती हुई नजर आ रही हैंस उन्होंने थाई हाई शॉर्ट्स पहन रखी हैस उनके बाल खुले हुए हैं और वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रही हैस वहीं दूसरी फोटो में वह खड़े होकर बोल्ड पोज दे रही हैंस दूसरी फोटो में वह सीढ़ियों पर बैठकर बोल्ड पोज दे रही हैस चौथी फोटो में वह दीवार के पास खड़ी हो कर पोज दे रही हैंस पांचवी फोटो में वह सूर्य की ओर देख रखी है और सूर्य की रोशनी उनके चेहरे पर पड़ रही हैस उन्होंने मेकअप कर रखा है और लिपस्टिक लगा रखी हैस इस फोटो में बहुत खूबसूरत लग रही हैस

हिना खान की बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है

हिना खान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैस इसपर फैंस भी कमेंट कर रहे हैस एक ने लिखा है, मुस्कुराते हिएस वहीं एक अन्य ने लिखा है, पीला रंग मुझे पसंद हैसश वहीं एक अन्य ने लिखा है, श्आप बहुत खूबसूरत और ब्यूटीफुल हैसश वहीं एक अन्य लिखा है, श्बहुत खूबसूरतसश वहीं एक ने लिखा है, आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं।

हिना खान इन दिनों रॉकी जयसवाल को डेट कर रही हैं

हिना खान इन दिनों रॉकी जयसवाल को डेट कर रही हैंस उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया हैस दोनों कई मौके पर साथ देखे जाते हैं। दोनों जल्द शादी करने वाले हैं।

मौनी रॉय का शादी के बाद सिजलिंग लुक चर्चा में, डीप नेक ब्लाउज पहन बालकनी में दिए ऐसे-ऐसे कातिलना पोज

एजेंसी

नई दिल्ली। टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों अपनी न्यूली मौरिड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में 27 जनवरी को मौनी ने अपने लॉन्गटाइम ब्वॉयफ्रेंड बिजनेसमैन सूरज नांबियार (Suraj Nambiar) के साथ शादी के बंधन में बंधीं हैं। मौनी की शादी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं थीं। वहीं उनकी शादी में टीवी से लेकर बॉलीवुड तक के कई स्टार्स ने शिकरत की थी। वहीं अब शादी के बाद मौनी की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रहीं हैं। इन तस्वीरों में मौनी बालकनी में पोज देती नजर आ रही हैं। नागिन फेम मौनी रॉय शादी के बाद इस वक्त सुकून भरे पल बिता रही हैं। इस दौरान उन्होंने फैंस के साथ अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मौनी बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मौनी ने ब्लू कलर का डीप नेक क्रॉप टॉप और मल्टीकलर लेयर्ड स्कर्ट पहनी हुई है। वहीं इस दौरान उनके बाल ओपन हैं और वह अपनी बालकनी से खूबसूरत वादियों का नजारा ले रही हैं। मौनी के आस पास काफी हरियाली नजर आ रही है। इन तस्वीरों के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में मौनी रॉय उनके ससुराल में ग्रैंड वेलकम किया गया था। जिसके कुछ वीडियोज मौनी ने सोशल मीडियो पर शेयर किए थे। वीडियो में आप देख सकते हैं कि जब मौनी घर पहुंचती हैं तो उनकी फैमिली और फ्रेंड्ज उनका शानदार स्वागत करते हैं। ये सब देखकर मौनी भावुक हो जाती हैं। वहीं मौनी के पति यानी सूरज नांबियार अपने दोस्तों के साथ भांगड़े पर डांस करते भी नजर आए। वीडियो में मौनी पहले आलता से रंगे अपने पैरों से घर में छाप छोड़ती है ।

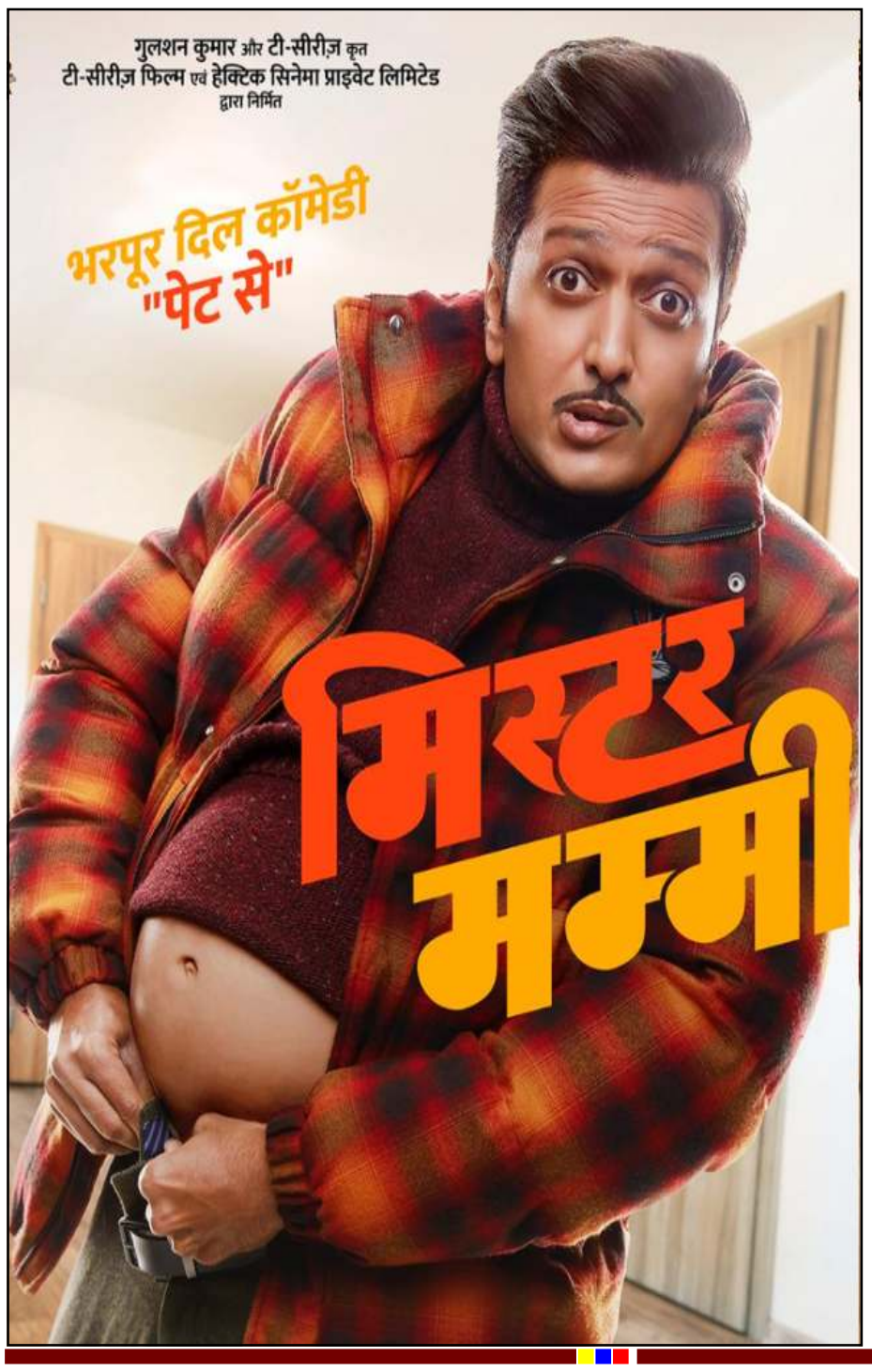

रितेश देशमुख और जिनिलिया डिसूजा की फिल्म मिस्टर मम्मी का एलान, 10 साल बाद पर्दे पर एक साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रितेश दशमुख और जिनिलिया डिसूजा ने 3 फरवरी को शादी की 10वीं सालगिरह मनायी और इतना अर्सा हो गया इन दोनों कलाकारों को एक साथ पर्दे पर देखे हुए। मगर, अब रितेश और जिनिलिया के फैंस के लिए खुशखबरी है। इनकी दसवीं मैरिज एनिवर्सरी के मौके पर इन दोनों की नई फिल्म का एलान हुआ है। फिल्म का शीर्षक है मिस्टर मम्मी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसके साथ रितेश और जिनिलिया एक दशक के बाद पर्दे पर साथ में वापसी करेंगे। चार फरवरी को मेकर्स ने फिल्म की घोषणा पोस्टरों के साथ की। इन पोस्टर्स पर रितेश और जिनिलिया को प्रेग्नेंट दिखाया गया है और टैग लाइन है– भरपूर दिल कॉमेडी पेट से। मिस्टर मम्मी का निर्देशन शाद अली कर रहे हैं, जबकि भूषण कुमार और हैक्टिक सिनेमा प्राइवेट लिमिटेड निर्माण कर रहे हैं। पोस्टरों के साथ साझा की गयी जानकारी के मुताबिक फिल्म की कहानी एक ऐसे जोड़े के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनकी विचारधारा बच्चे की बात आने पर एकदम अलग हो जाती है। फिल्म में इस काल्पनिक विचार को कॉमिक अंदाज में एक्सप्लोर किया जाएगा कि अगर आदमी प्रेग्नेंट हो जाए तो क्या होगा? पोस्टरों पर रितेश और जिनिलिया को प्रेग्नेंट दिखाया गया है। बता दें, रितेश और जिनिलिया आखिरी बार 2012 की फिल्म तेरे नाल लव हो गया में साथ आये थे। शादी के बाद इन दोनों को कभी पर्दे पर साथ आने का मौका नहीं मिला। इस दौरान रितेश लगातार फिल्मों में नजर आते रहे, मगर जिनिलिया की स्क्रीन प्रेजेंस कम हो गयी थी। रितेश और जिनिलिया का बॉलीवुड डेब्यू भी एक साथ मुझे तेरी कसम फिल्म से 2003 से हुआ था। इसके बाद दोनों 2004 की कॉमेडी फिल्म मस्ती में साथ आये थे। मिस्टर मम्मी रितेश और जिनिलिया की साथ में चौथी फिल्म होगी। जिनिलिया ने दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई हिट फिल्मों में काम किया है। जिनिलिया की आखिरी रिलीज इट्स माई लाइफ है।

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक नं 2100 385 वर्ष 2006 वास्तव में कहीं खो गया है।

रघुनाथ पासवान
पुत्र पीताम्बर प्रसाद
ग्राम भरमी पोस्ट बघेली
जिला सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com